हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

■ 30 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ करेंगे भोज, अमित शाह, सीएम साय और गृह मंत्री विजय शर्मा भी रहेंगे मौजूद

■ बस्तर पंडुम के विजेता, परगना मांझी चालकी और पद्मश्री सम्मानित प्रतिनिधि बनेंगे इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा

नक्सल खात्मे के बाद भरोसे की उड़ान, राष्ट्रपति भवन में सम्मान पाएंगे बस्तर के 186 मेहमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

कभी देशभर में नक्सल हिंसा की खबरों से पहचाना जाने वाला बस्तर अब राष्ट्रपति भवन में मेहमान बनने जा रहा है। बस्तर की सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी नेतृत्व और नई पीढ़ी की प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला 186 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 30 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा और उनके साथ विशेष भोज में शामिल होगा। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में बस्तर पंडुम-2026 के 97 ▶▶| शेष पेज 6 पर

इन 12 विधाओं के विजेता बनेंगे राष्ट्रपति भवन के मेहमान

बस्तर पंडुम-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन 12 पारंपरिक विधाओं से किया गया है। इनमें जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय नाट्य प्रदर्शन, जनजातीय वाद्ययंत्र प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा प्रदर्शन, जनजातीय आभूषण प्रदर्शन, जनजातीय शिल्प प्रदर्शन, जनजातीय चित्रकला प्रदर्शन, जनजातीय पेय पदार्थ प्रदर्शन, जनजातीय व्यंजन प्रदर्शन, आंचलिक साहित्य प्रदर्शन और बस्तर वन औषधि प्रदर्शन शामिल हैं। इन विधाओं के विजेता और प्रतिनिधि 30 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और उनके साथ विशेष भोज में भाग लेंगे।

क्या है बस्तर पंडुम

बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ सरकार की एक विशेष सांस्कृतिक पहल है, जिसका उद्देश्य बस्तर की समृद्ध आदिवासी परंपराओं, लोक कला, लोक नृत्य, लोकगीत और पारंपरिक जनजातीय व्यवस्था को राष्ट्रीय पहचान दिलाना है। गोंडी भाषा में 'पंडुम' का अर्थ उत्सव होता है। इस आयोजन के माध्यम से आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और बस्तर की सकारात्मक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन जाने ▶▶| शेष पेज 6 पर

दिल्ली भ्रमण करेगा प्रतिनिधिमंडल : यात्रा का उद्देश्य केवल राष्ट्रपति से मुलाकात तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर से आए ▶▶| शेष पेज 6 पर

घेराव में भिड़े भाजपा-कांग्रेसी

पुलिस ने वॉटर कैनन और आंसू गैस छोड़े

16 पुलिसकर्मी भी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नई दिल्ली में कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री निवास का घेराव किया था, जिसके विरोध में भाजपा ने बुधवार को शंकर नगर स्थित राजीव भवन कांग्रेस मुख्यालय का घेराव किया। भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के नेतृत्व में निकले थे। दोपहर तीन बजे प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स तोड़कर भाजपा सदस्य आगे बढ़ रहे थे, तभी कांग्रेस के कार्यकर्ता सामने आ गए। इस दौरान माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। इसे देख सुरक्षा में खड़े पुलिस को वॉटर कैनन और आंसू गैस के गोले भीड़ में चलाने पड़े। कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात भी प्रभावित हुआ। आंसू गैस की वजह से कई को परेशानी हुई। कुछ मीडियाकर्मी भी चपेट में आ गए। हरिभूमि के फोटोग्राफर रमन हलवाई भी आंसू गैस से प्रभावित हो गए। भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे को टकराव के लिए जिम्मेदार ठहराया।

हरिभूमि के फोटोग्राफर रमन हलवाई भी चपेट में आए।

छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से इंकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-वक्त नहीं, वहीं हाईकोर्ट का आदेश, संभालकर रखें छात्र आंदोलन का फुटेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' का विरोध प्रदर्शन जारी है। बुधवार को देशभर में कांग्रेस और भाजपा का भी विरोध प्रदर्शन हुआ। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में निकाले गए मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से बुधवार को इंकार कर दिया। वहीं हाईकोर्ट ने निर्देश दिया, पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सभी जरूरी रिकॉर्ड सुरक्षित रखें, जिसमें सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और अन्य वीडियोग्राफी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा कि अदालत का समय बर्बाद न करें। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा, पुलिस की बर्बरता से जुड़े वीडियो भी मेरे पास हैं। यदि इस मामले को गुरुवार को सूचीबद्ध किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ पुलिस ने कथित तौर पर बर्बरता की और याचिका में तीन अनुरोध किए गए हैं। प्रधान न्यायाधीश ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध ठुकराते हुए स्पष्ट किया कि पीठ इस स्तर पर वीडियो देखने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा, हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है। हम वीडियो ▶▶| शेष पेज 6 पर

■ कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बीच कांग्रेस और भाजपा का भी विरोध प्रदर्शन

भाजपा-कांग्रेस का एक-दूसरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही है, जबकि भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा देश भर में कांग्रेस दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन की। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह कदम कांग्रेस के अनियंत्रित व्यवहार के जवाब में उठाया गया है। भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास के बाहर प्रदर्शन कर अपने संवैधानिक पद से जुड़े विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और दावा किया कि कांग्रेस नेता देश को बांटकर सत्ता में आना चाहते हैं।

अनशन खत्म करने को तैयार वांगचुक

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म करने की बात कही है। हालांकि इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार के सामने शर्त भी रखी है। वांगचुक ने अपने पत्र में मांग करते हुए कहा कि पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

छात्रों को लेकर राजनीति करना ठीक नहीं : नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस मुद्दे पर विपक्ष पर हमला किया और कहा कि छात्रों को लेकर राजनीति करना ठीक नहीं है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रवार्ता में श्री नड्डा ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारी है वहां भी पेपर लीक हुए। झारखंड, हिमाचल और बंगाल में भी पेपर लीक हुए। पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार चर्चा के लिए तैयार है।

राहुल बोले-प्रदर्शनकारी छात्र आतंकवादी नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को मोदी सरकार पर भारत की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया और नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति पूरा समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े समेत उनकी सभी मांगें पूरी तरह जायज़ हैं और उन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

सरकारी कालेज, कुछ कोर्स में खाता तक नहीं खुला

कहीं एडमिशन के लिए मारामारी तो कहीं छात्रों के लिए तरसे

रायपुर में बीएससी में एक भी प्रवेश नहीं, अंबिकापुर में 70 छात्रों पर 15 अतिथि व्याख्याता, कोरबा के कई कॉलेज भी तरस रहे विद्यार्थियों के लिए

रायपुर-रुचि वर्मा अंबिकापुर-अजय नारायण पांडेय, कोरबा- अरविंद पांडेय की रिपोर्ट

खास खबर

उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बड़ी संख्या में नए शासकीय महाविद्यालय खोले गए। उसका असर भी हुआ। बड़ी संख्या में छात्रों ने स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रियां लीं। लेकिन वक्त के साथ बहुत कुछ बदल गया है। निजी विश्वविद्यालयों की बाढ़ आने, नए-नए कोर्स शुरू होने और परंपरागत कोर्स के प्रति छात्रों का रुझान कम होने का असर दिखने लगा है। हालांकि कुछ सरकारी कालेज का क्रेज अभी भी है लेकिन ढेरों कॉलेज छात्रों के लिए तरस रहे हैं। हालत यह है कि बीए-बीकॉम जैसे पारंपरिक पाठ्यक्रम ही नहीं, बल्कि बीएससी, बीबीए और बीसीए जैसे लोकप्रिय कोर्सों में भी सीटें खाली हैं। दूसरी ओर पुराने और प्रतिष्ठित सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की कटऑफ जा रही है। रायपुर, अंबिकापुर और कोरबा से मिली रिपोर्ट बताती हैं कि नए कॉलेजों में बुनियादी ढांचा और शिक्षक तो हैं, लेकिन छात्र नहीं पहुंच रहे।

रायपुर जिले ▶▶| शेष पेज 6 पर

अंबिकापुर में सात आठ छात्रों पर एक अतिथि व्याख्याता

अंबिकापुर के धौरपुर स्थित नवीन शासकीय महाविद्यालय की तस्वीर भी कुछ अलग नहीं है। वर्ष 2018 से संचालित इस कॉलेज में विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय में 60-60 सीटें स्वीकृत हैं, लेकिन इस वर्ष अब तक केवल 70 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। पिछले वर्ष यह संख्या 125 थी। क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल होने और हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के 12वीं उत्तीर्ण करने के बावजूद कॉलेज की अधिकांश सीटें खाली रह जाती हैं। कॉलेज ▶▶| शेष पेज 6 पर

कोरबा में यही हाल

कोरबा जिले के कई सरकारी कॉलेजों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिले के लगभग 15 महाविद्यालयों में पढ़ाई मुख्य रूप से अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रही है, जबकि छात्र संख्या लगातार घट रही है। विश्वविद्यालय के निर्देश पर पिछले दो वर्षों से शाला पोषक अभियान चलाए जाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। शहर के पीजी कॉलेज, कटघोरा और भैसमा जैसे पुराने कॉलेजों में अपेक्षाकृत अच्छी छात्र संख्या है, लेकिन कई नए या छोटे कॉलेजों में सीटें खाली हैं। बंजारी ▶▶| शेष पेज 6 पर

आखिरी चरण में उम्मीद

शुरुआती चरण में छात्र बड़े महाविद्यालयों को प्राथमिकता देते हैं। हमें उम्मीद है कि अंतिम चरण में छात्र बढ़ेंगे।

\- डॉ.तपेश गुप्ता
प्राचार्य, अम्लीडीह महाविद्यालय

क्यों घट रहा है सरकारी कॉलेजों का आकर्षण?

विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे कई कारण हैं। विद्यार्थी अब रोजगारपरक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता दे रहे हैं। निजी विश्वविद्यालयों और प्रोफेशनल संस्थानों के बढ़ने से विकल्प बढ़े हैं। कई नए शासकीय महाविद्यालय ऐसे क्षेत्रों में खोले गए हैं, जहां अपेक्षित संख्या में विद्यार्थी नहीं मिल पा रहे हैं। वहीं कुछ छात्र 12वीं के बाद सीधे प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार या अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण की ओर रुख कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि नए सरकारी कॉलेजों में सीटें खाली हैं, जबकि पुराने प्रतिष्ठित कॉलेजों में आज भी प्रवेश के लिए ऊंची कटऑफ लग रही है।

सुरंग से अब तक 13 शव निकाले गए

नामची। सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन 'एनएचपीसी तीस्ता चरण-6 जलविद्युत परियोजना' की सुरंग से बुधवार को एक और मजदूर का शव बरामद किया गया। इसके साथ ही हादसे में मारे गए लोगों में से अब तक 13 मजदूरों के शव बाहर निकाले जा चुके हैं। मीथेन गैस के संदिग्ध विस्फोट के बाद सुरंग ढहने से कुल 20 मजदूरों की मौत हो गई थी। सुरंग के भीतर कीचड़ और पानी जमा हो जाने के कारण राहत एवं बचाव कार्य को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, जिसे बुधवार सुबह दोबारा शुरू किया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और आसनसोल की बचाव टीम ने तड़के ही अभियान संभाल लिया।

सीएम विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट का फैसला

अग्निवीरों को सिपाही भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण, किसानों के लिए बनेगी उपसमिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में हुई राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक में किसानों और अग्निवीरों से जुड़े दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने पुलिस आरक्षक, वनरक्षक और जेल प्रहरी की सीधी भर्ती में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। वहीं खरीफ ▶▶| शेष पेज 6 पर

■ उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बनेगी मंत्रिमंडलीय उपसमिति

डिप्टी सीएम सहित मंत्री होंगे शामिल

इस उपसमिति में उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग को अध्यक्ष तथा कैबिनेट मंत्री, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, कैबिनेट मंत्री, सहकारिता विभाग एवं कैबिनेट मंत्री, वित्त विभाग को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त उप समिति के संयोजक होंगे। उपसमिति ▶▶| शेष पेज 6 पर

अग्निवीरों को आरक्षण

मंत्रिपरिषद की बैठक में अग्निवीर सैनिकों के पुनर्वास एवं सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद ने राज्य की तृतीय श्रेणी के पदों-पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीएम की घोषणा पर अमल

यह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में की गई घोषणा के अनुपालन में लिया गया है। इस आरक्षण का लाभ उन अग्निवीर सैनिकों को मिलेगा, जिन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों में चार वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद वैध सेवा प्रमाणपत्र के साथ सेवामुक्ति प्राप्त की हो। इस निर्णय से अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सेवाओं में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा उनके अनुभव और अनुशासन का लाभ पुलिस, वन एवं जेल प्रशासन को मिलेगा।

कुछ की योग्यता एमबीबीएस तो कुछ सीनियर रेसीडेंट से बन गए विभागाध्यक्ष

स्टूडेंट और मरीज भगवान भरोसे, जांजगीर मेडिकल कालेज में एमबीबीएस को बना दिया प्रभारी एचओडी

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

चिकित्सा शिक्षा विभाग अब नए मेडिकल कालेजों में आने वाले स्टूडेंट और मरीजों, दोनों को परेशानी में डाल रहा है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग यानी एनएमसी के नियमों से बचने के लिए जांजगीर-चांपा के शासकीय मेडिकल कालेज में संचालित होने वाले ज्यादातर विभागों में नए-नवेले डाक्टरों, एमबीबीएस को प्रभारी अधिकारी (एचओडी) बना ▶▶| शेष पेज 6 पर

इन नामों की चर्चा

जांजगीर में जिन डाक्टरों में विभागीय अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है उनमें दंत चिकित्सा विभाग के प्रभारी डा. इकबाल हुसैन, आपात चिकित्सा की प्रभारी डा. ममता सिंह, एमबीबीएस है। इसी तरह कम्युनिटी मेडिसिन की डा. डर्विन डिसूजा, जनरल मेडिसिन की डा. शहबाज खांडा, नेत्र रोग विभाग की डा. निकिता पीजी बांड ड्यूटी के बाद सीधे प्रभारी अधिकारी बना दिया गया है। वहीं डा. नितिन जुनेजा, डा. पुष्पेन्द्र पटेल भी विभाग के प्रभारी अधिकारी के मापदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

क्या है नियम: राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नियमों के मुताबिक चिकित्सा महाविद्यालय में किसी एमबीबीएस योग्यता वाले को अकादमिक विभाग का प्रभारी नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए न्यूनतम योग्यता एमडी-एमएस की डिग्री होना अनिवार्य है। साथ ही शिक्षण अनुभव के तहत उन्हें प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर का रैंक होना जरूरी है।

इनका कहना

वैकल्पिक इंतजाम

नए मेडिकल कालेज में विभागों को विकसित करने के लिए प्रभारी अधिकारी के रूप में अस्थायी रूप से इनकी नियुक्ति की गई है। इन विभागों में अभी फैकल्टी नहीं हैं, आने वाले दिनों में नियुक्ति होने के बाद इन्हें रिप्लेस कर दिया जाएगा। एचओडी की नियुक्ति के लिए मापदंड होते हैं जिन्हें नियुक्ति के दौरान पूरा किया जाएगा।

डा. राकेश नहरेल
डीन शासकीय मेडिकल कालेज जांजगीर-चांपा

दो तरह का कैडर हो जाएगा

प्रस्तावित पांचों मेडिकल कॉलेज में राज्य के बाहर से प्रोफेसर और अन्य फैकल्टी लाकर उन्हें डेढ़ गुना ज्यादा वेतन पर स्वायत्त शासी समिति के माध्यम से स्थाई नियुक्ति देने का ऑफर दिया जा रहा है।

डा. राकेश गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ

करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन, ईडी की कार्रवाई के बाद युवक ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

बेरोजगार भाई को मौसेरा भाई रोजगार दिलाने का झांसा देकर अपने साथ मुंबई ले गया

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

- भाई के नाम से बैंक में अकाउंट खुलवाकर विदेशों में किया करोड़ों का ट्रांजेक्शन, अकाउंट का मोबाइल नंबर किसी दूसरे में लिंक

करोड़ों रुपए के विदेशी ट्रांजेक्शन के मामले में ईडी ने पिछले वर्ष अप्रैल में एक युवक के आवास में छापे की कार्रवाई की थी। कार्रवाई के बाद युवक ने अपने मौसेरे भाई के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। युवक ने पुलिस को बताया है कि उसके मौसेरे भाई ने उसके नाम का अकाउंट खोल कर उसका फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक अकाउंट ऑपरेट कर करोड़ों रुपए विदेश भेजे।

सड्डू, मेट्रोग्रीन सोसाइटी निवासी संदीप सेठ ने मुंबई निवासी अपने मौसेरे भाई रितेश गुप्ता तथा अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। युवक के अनुसार वर्ष 2023 में बेरोजगार होने के दौरान उसके मौसेरे भाई रितेश गुप्ता ने उसे ठाणे स्थित कांसलीवाल बिजनेस साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में 50 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन पर डायरेक्टर की नौकरी दिलाई। कंपनी के कामकाज की पूरी जानकारी उसे कभी नहीं दी गई। अधिकतर दस्तावेज उसके घर भेजे जाते थे, जिन पर वह हस्ताक्षर कर वापस भेज देता था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में कई दस्तावेज उसके फर्जी हस्ताक्षरों से भी तैयार किए गए।

युवक ने शिकायत में उल्लेख किया है कि उसका मौसेरा भाई उसे मुंबई ले गया, जहां उसने उसके नाम से एसबीएम बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक में कंपनी के खाते खुलवाए। बैंक रिकार्ड में उसे अधिकृत लेनदेनकर्ता के रूप में दर्ज किया

गया, लेकिन उसकी जानकारी के बिना किसी अन्य मोबाइल नंबर को खातों से लिंक कर दिया गया। इस कारण खातों में होने वाले लेनदेन की जानकारी उसे नहीं मिल सकी।

संदीप के अकाउंट में विदेशों में संदिग्ध लेन-देन मिलने पर ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने 22 अप्रैल 2025 को छापे की कार्रवाई की थी। संदीप ने पुलिस को बताया है कि छापे के दौरान उसके घर से ईडी ने केवल एक मोबाइल फोन जब्त किया और पूछताछ की। इसी दौरान पहली बार उसे पता चला कि जिस कंपनी में वह डायरेक्टर था, उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपए विदेश भेजे गए हैं। आरोप है कि उसके नाम और पहचान का इस्तेमाल कर पूरे वित्तीय लेनदेन को अंजाम दिया गया, जबकि बैंक खातों से जुड़े मोबाइल नंबर किसी और के थे। उसका दावा है कि उसे एक 'डमी डायरेक्टर' की तरह इस्तेमाल किया गया और पूरे मामले में फंसाने की साजिश रची गई।

पुलिस करेगी जांच, मांगेगी दस्तावेज

युवक की शिकायत पर पुलिस ने रितेश तथा अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी, 34, 420, 467, 468 के तहत अपराध दर्ज किया है। जांच के दौरान पुलिस, ईडी से कार्रवाई से जुड़े दस्तावेज, बैंक खातों का विवरण और संदिग्ध ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाएगी। पुलिस यह भी जांच करेगी कि शिकायतकर्ता के आरोप कितने सही हैं, कथित फर्जी हस्ताक्षर किसने किए, बैंक खातों में मोबाइल नंबर किसके निर्देश पर बदले गए और विदेश भेजी गई रकम का वास्तविक लाभार्थी कौन था।

खबर संक्षेप

एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक ट्रॉफी : रायपुर के दो स्केटर्स भारतीय टीम में शामिल

रायपुर। राजधानी रायपुर की ट्रेनर सॉल्यूशन स्केटिंग अकादमी के दो होनहार खिलाड़ी किरण कोर परमार और प्रतीक भीमसरिया का चयन एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने एशियन टीम ट्रायल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाई है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता देहरादून में अगस्त में आयोजित की जा रही है, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के शीर्ष शॉर्ट ट्रैक स्केटर्स हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अकादमी प्रबंधन ने बताया कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। इस उपलब्धि से खेल जगत में उत्साह का माहौल है और इसे छत्तीसगढ़ में शॉर्ट ट्रैक स्केटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

संगठन के कार्यों को नीचे तक ले जाने में सभी प्रकोष्ठ सक्रियता दिखाएं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ के संयोजक एवं सह-संयोजकों की बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, समस्त प्रकोष्ठ प्रभारी अवधेश चंदेल, सह प्रभारी चुन्नीलाल साहू मौजूद रहे। समस्त प्रकोष्ठों की बैठक को सबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सभी प्रकोष्ठ के संयोजक एवं सह-संयोजकों को नवीन दायित्व के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, संगठन के कार्यों को नीचे तक लेकर जाना है। साथ ही पार्टी द्वारा दिए गए दायित्वों को समय पर पूरा करना है और प्रकोष्ठ की मजबूती के लिए सभी प्रकोष्ठों का विस्तार भी करना है। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी एवं सह प्रभारियों की भी बैठक में दिशा निर्देश दिए गए।

सड़क पर वाहन पार्किंग हीरापुर रिंगरोड में कार्रवाई

रायपुर। सड़क को पार्किंग बनाने वाले वाहनों के खिलाफ हीरापुर रिंगरोड-2 एवं बिलासपुर मार्ग पर लगातार दूसरे दिन भी विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रक एवं ट्रेलरों के विरुद्ध ई-चालान किए गए तथा सड़क अवरोध उत्पन्न करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की गई। ऐसे वाहन चालकों को पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से समझाइश भी दी गई। उन्हें बताया गया कि सड़क पर वाहन खड़े करने से यातायात बाधित होता है, दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है तथा आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। वाहन चालकों से अपील की गई कि वे स्वेच्छा से अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर हटाएं।

खारुन के नेचुरल फ्लो में अशुद्धियों की मात्रा ज्यादा

एनीकट 22 इंच ओवरफ्लो, टर्बिडिटी 800 पीपीएम पार
पानी शुद्ध करने 3 गुना बढ़ानी पड़ी एलम की डोज

44 फिल्टर बेड से गुजर कर पूरी हो रही जलशुद्धिकरण प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्राकृतिक बहाव से खारुन नदी में भरपूर पानी आ रहा है, जिसके कारण नगर निगम का भाठागांव स्थित एनीकट 22 इंच ओवरफ्लो चल रहा है। बरसाती पानी में अशुद्धियों की मात्रा ज्यादा होने और मटमैलापन बढ़ने से इसकी टर्बिडिटी 800 पीपीएम तक जा पहुंची है। मिट्टी सहित कई तरह की अशुद्धियों को देखते हुए फिल्टर प्लांट के अधिकारियों ने एलम की डोज तीन गुना ज्यादा बढ़ा दी है। मानसून सीजन से पहले पानी को उपचारित करने में प्रतिदिन 5 टन एलम की जरूरत होती, अब उसकी मात्रा को बढ़ाकर 15 टन किया गया है। फिल्टर बेड की दिन में एक नहीं, बल्कि दो बार सफाई कराई जा रही है। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने हरिभूमि को बताया कि सामान्य दिनों में रॉवाटर ट्रीटमेंट के लिए फिल्टर प्लांट से नार्मल प्री बैक्टिया ट्रीटमेंट होता था, पानी में अशुद्धियों की मात्रा ज्यादा होने से अब दो तरह के ट्रीटमेंट अपना रहे हैं, जिसमें प्री बैक्टीरिया ट्रीटमेंट के अलावा पोस्ट बैक्टीरिया ट्रीटमेंट शामिल है।

नगर निगम के फिल्टर प्लांट में नदी से मिल रहे कच्चे पानी को पीने लायक शुद्ध बनाने 44 फिल्टर बेड से होकर प्रक्रिया पूरी होती है। बारिश के सीजन को देखते हुए ऐहतियात के तौर पर 44 बेड की 12-12 घंटे के अंतराल में दो बार सफाई कराई जा रही है। फिल्टर प्लांट में जल शुद्धिकरण का कार्य बिना किसी अवरोध प्रक्रिया के तहत लगातार 24 घंटे किया जा रहा है। इसके लिए प्लांट में 80 एमएलडी के पुराने प्लांट, 150 एमएलडी और 80 एमएलडी के नए प्लांट स्थापित हैं। रॉ वाटर में मिट्टी के कण सहित विभिन्न तरह की अशुद्धियां मिली रहती है इसलिए इसे साफ करने 44 फिल्टर बेड लगाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक पहले सर्किल में फिल्टर बेड की सफाई सुबह 9 बजे से शुरू करने का सिस्टम बनाया गया है, दूसरे चक्र में 12 घंटे के बाद दोबारा फिल्टर बेड की की सफाई कर जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

आबकारी घोटाले में पूछताछ के लिए रामगोपाल की 3 दिन रिमांड बढ़ी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

8 जुलाई से ईओडब्लू-एसीबी की कस्टडी में हैं कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष

कोल घोटाले के बाद शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल को ईओडब्ल्यू, एसीबी की टीम ने बुधवार को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जांच एजेंसी के आवेदन पर कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की पुलिस रिमांड पर देने फैसला सुनाया। कोल के बाद शराब घोटाला प्रकरण में जांच एजेंसी ने उन्हें 17 जुलाई को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी के आवेदन पर तब कोर्ट ने उन्हें पूछताछ करने 22 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर देने फैसला सुनाया था। रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें पुनः कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 25 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर देने का फैसला सुनाया गया है।

ईओडब्ल्यू, एसीबी ने रामगोपाल अग्रवाल को कोल घोटाले के आरोप में विगत 8 जुलाई को हिरासत में लिया था। दूसरे दिन उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। मामले की पूछताछ करने जांच एजेंसी ने 17 जुलाई तक पुलिस रिमांड मांगी थी। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि आबकारी घोटाले से जुड़े कथित लेनदेन और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ की जा रही है। एजेंसी ने मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई है। जांच एजेंसी के आरोपों के अनुसार शराब घोटाले की रकम रामगोपाल अग्रवाल ने अपने बेटे की कंपनी के माध्यम से व्हाइट मनी में कन्वर्ट करने के बाद पार्टी के लिए खर्च की है।

ड्यूटी निभाते हुए 16 पुलिस जवान हुए घायल कमिश्नर ने ली उपचार की जानकारी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर में भाजपा के कांग्रेस मुख्यालय घेराव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और रैली को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल द्वारा बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था संभाली जा रही थी, इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा अचानक पत्थर एवं बोतलें फेंके जाने से अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हो गई, जिसमें ड्यूटी पर तैनात पुलिस के 16 जवान घायल हो गए। घायलों में एक महिला आरक्षक शामिल थी, दो पुलिस जवानों को गंभीर चोटें आई हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने अस्पताल पहुंच कर भर्ती पुलिस जवानों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से घायल जवानों के स्वास्थ्य एवं उपचार की विस्तृत

जानकारी ली तथा सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

घायल जवान कलेश्वर वर्मा ने बताया कि बैरिकेडिंग के दौरान भीड़ के बीच फंस जाने से उन्हें सांस लेने में परेशानी हुई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल लाया गया। वहीं, प्रशिक्षु उप निरीक्षक (पीएसआई) देवराज सिंह के सिर पर बोतल लगने से गंभीर चोट आई है, जिनका उपचार चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। अन्य घायल आरक्षकों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इस दौरान पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल, एसीपी नीलेश द्विवेदी, टीआई राजेश मरई सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

तड़ीपार महिला शहर में दिखी, गिरफ्तार कर पुलिस अलग से कार्रवाई कर रही

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट से जिला बदर के बावजूद राजधानी में सक्रिय महिला हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने एक बार फिर गिरफ्तार किया है। हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने मौदहापारा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। हिस्ट्रीशीटर को डॉ. संजीव शुक्ला ने जून में तड़ीपार करने का आदेश दिया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस, मारपीट सहित कई अन्य गंभीर धाराओं में 20 से ज्यादा प्रकरण दर्ज हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ अलग से कार्रवाई की जा रही है। टिकरापारा थाना क्षेत्र में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रही थी। उसे टिकरापारा पुलिस ने अपने प्रकरण में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुस्कान रात्रे सूखा नशा के कारोबार से जुड़े मामले में लंबे समय से फरार चल रही थी। चार मई को गोकुल नगर श्मशान घाट के पास पुलिस ने अनीस और कपिल तिवारी को 73 प्रतिबंधित टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया था।

चावड़ी में काम करने वाले मजदूर की हत्या

मॉर्निंग वॉक पर निकले कारोबारी ने लाश देखने के बाद कोतवाली में दी सूचना

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

यातायात थाना के सामने एक कांपलेक्स के पास बुधवार तड़के खून से लथपथ लाश मिलने से हड़कंप मच गया। चावड़ी में काम करने वाले मजदूर की किसी अज्ञात से सिर पर ईंट से हमला कर हत्या कर दी थी। गांधी मैदान के पास टूल्स के कारोबारी ने सबसे पहले मजदूर की लाश देखी और इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। लाश देखने वाले कारोबारी ने उसकी शिनाख्त की। मृतक नेहरू नगर का रहने वाला था। देर रात हत्या होने की आशंका व्यक्त की गई है।

मृतक की शिनाख्ती प्रकाश उर्फ जानी के रूप में हुई है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मृतक ज्यादातर समय घर के बाहर ही रहता था। उसका अपने घर आना-जाना बहुत कम था। रात के समय भी मृतक चावड़ी में या फिर यातायात थाना के आस-पास मंडराता था। वो रात में भी चावड़ी या उसके आसपास सोता था। पुलिस को आशंका है कि प्रकाश की हत्या किसी उसके परिचित ने ही की होगी। इसके साथ ही रात के समय नशे में धुत्त किसी मजदूर के साथ विवाद होने पर उसने प्रकाश के सिर पर ईंट मारकर हत्या की होगी।

शहर के महत्वपूर्ण इलाके का सीसीटीवी खराब

घटना के सीसीटीवी फूटेज खंगाले जाने पर पुलिस को पता चला कि महिला थाना से लेकर नगर निगम जाने वाले मार्ग तथा महिला थाना से कालीबाड़ी जाने मार्ग में आईटीएमएस योजना के तहत लगाए गए सीसीटीवी खराब हैं। महिला थाना चौक शहर के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र में शामिल है। इसके अलावा महिला थाना के पास बने पुलिस क्वार्टर के पास के भी सीसीटीवी खराब होने की जानकारी मिली है। इस कारण पुलिस आरोपी की पहचान नहीं कर पाई है।

हत्या का एक कारण यह भी हो सकता है

फूटपाथ, चावड़ी के आसपास रहने वाले मजदूर रात को सोने के समय जगह को लेकर एक दूसरे के साथ विवाद करने के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। राजधानी में मंगलवार रात से तेज बारिश हो रही है। आशंका जताई जा रही है, पानी से बचने और सोने के लिए मजदूरों ने एक दूसरे के साथ विवाद किया होगा। इसी विवाद के कारण किसी मजदूर ने प्रकाश के सिर पर ईंट से हमला कर मौत के घाट उतार दिया होगा।

सीएम साय ने कहा- राहुल गांधी का आचरण लोकतांत्रिक गरिमा के प्रतिकूल

जनता ऐसे राजनीतिक स्टंट को स्वीकार नहीं करेगी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर उनका आचरण लोकतांत्रिक मर्यादा के प्रतिकूल और निंदनीय है। नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस प्रकार के राजनीतिक स्टंट की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा, नीट पेपर लीक जैसे मामले को केंद्र सरकार ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पेपर लीक को पाप बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कह चुके हैं। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। परीक्षा दोबारा पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई और उसका परिणाम भी घोषित हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे की आड़ लेकर युवाओं को भ्रमित करने और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के बाहर विपक्ष द्वारा किया गया प्रदर्शन लोकतंत्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, देश की जनता इस प्रकार की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं एवं संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान सर्वोपरि है।

परिवार के प्रमाण पत्र के आधार पर बच्चों को भी मिलेगा जाति प्रमाण पत्र

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के अनेक परिवारों के लिए राहत भरा एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी परिवार के सदस्य का वैध जाति प्रमाण पत्र पहले से जारी है, तो केवल वर्ष 1950 के दस्तावेजों के अभाव में परिवार के अन्य पात्र बच्चों को जाति प्रमाण पत्र से वंचित नहीं किया जा सकता।

यह महत्वपूर्ण आदेश जस्टिस एके प्रसाद द्वारा एक परिवार की ओर से प्रस्तुत याचिका की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिकाकर्ता परिवार की ओर से अधिवक्ता डॉ. प्राची दीवान ने पक्ष रखते हुए न्यायालय के समक्ष यह तथ्य प्रस्तुत किया कि प्रदेश में अनेक परिवार ऐसे हैं जिनके पास पुराने राजस्व अथवा अन्य अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं। विशेष रूप से भूमिहीन एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वर्ष 1950 के दस्तावेज प्रस्तुत करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं हो पाता, जिसके कारण उनके बच्चों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि कई मामलों में माता-पिता, भाई-बहन अथवा परिवार के अन्य सदस्यों के जाति प्रमाण पत्र पहले से जारी होने के बावजूद नए आवेदकों से वर्ष 1950 के दस्तावेजों की मांग की जाती है, जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश एवं रोजगार संबंधी अवसर प्रभावित होते हैं। मामले की सुनवाई के उपरांत हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि परिवार के किसी सदस्य का वैध जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध है तथा ग्राम सभा या ग्राम स्तरीय समिति यह प्रमाणित करती है कि संबंधित बच्चा उसी परिवार और उसी जाति से संबंधित है, तो उसके आवेदन पर विधि अनुसार त्वरित कार्यवाही की जाए और उसे अनावश्यक रूप से वर्ष 1950 के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए बाध्य न किया जाए।

कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जाति प्रमाण पत्र के लिए प्रस्तुत आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण की जाए तथा समयबद्ध रूप से प्रकरण का निराकरण करते हुए यथाशीघ्र जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदन प्राप्त होने के पश्चात आवश्यक दस्तावेजों की जांच समयबद्ध रूप से पूर्ण कर 60 दिनों के भीतर जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाए, ताकि पात्र बच्चों और परिवारों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

महानदी जल विवाद सुलझने की जगी उम्मीद जल्द मिलेंगे छत्तीसगढ़-ओडिशा के मुख्यमंत्री

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से लंबित महानदी जल विवाद के समाधान को लेकर चर्चा की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी भी मौजूद रहे।

साहू ने कहा कि विवाद का संतुलित और न्यायसंगत समाधान दोनों राज्यों के नागरिकों की जल सुरक्षा, किसानों की आजीविका और क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्रीय जल आयोग के माध्यम से दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त तकनीकी समिति गठित करने और जल बंटवारे सहित अन्य मुद्दों पर समयबद्ध चर्चा शुरू कराने का आग्रह किया।

जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मामले में त्वरित पहल करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से दूरभाष पर चर्चा की। इसके बाद जल्द ही ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बीच उच्चस्तरीय बैठक होने की संभावना है। इस पहल से दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान की उम्मीद बढ़ी है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

चित्रकोट जलप्रपात

मैनपुर

बस्तर में बंबू राफ्टिंग, कयाकिंग, बोटिंग पर लगी रोक

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर में मॉनसून और भारी बारिश के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्यटन स्थलों पर जल क्रीड़ाओं और गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। धुड़मारास, तीरथगढ़, मांझीपाल, तिरिया, नेतानार जैसे क्षेत्रों में बंबू राफ्टिंग और कयाकिंग पर अस्थायी रोक लगाई गई है और चित्रकोट जलप्रपात में भी उफनती इंद्रावती नदी को देखते हुए नौका विहार (बोटिंग) बंद है। बारिश के मौसम में ▶▶|शेष पेज 6 पर

- अप्रिय घटना से बचने पर्यटकों को झरने के पास जाने से सख्त मनाही
- रोज 250 से अधिक पर्यटक तीरथगढ़, चित्रकोट जलप्रपात का कर रहे दीदार

चित्रकोट जलप्रपात

जलप्रपात के नीचे जाने से लगा रोक

बताया जा रहा है कि तीरथगढ़ जलप्रपात में ऊंचाई से पानी गिरता है। मुनगाबहार नाले में बारिश के चलते पानी के कारण नीचे तक जलप्रपात का दीदार कर रहे हैं, पर नीचे स्थित मंदिर तक जाने से मनाही की गई है। इसी तरह चित्रकोट में नीचे वोटिंग बंद कर दिया गया, जिससे पर्यटकों को नीचे जाने से रोक लगाया गया है।

जलक्रीड़ाओं पर लगी रोक से पर्यटक निराश

बताया जा रहा है कि बंबू राफ्टिंग, कयाकिंग जैसी जलक्रीड़ाओं पर अस्थायी रोक से पर्यटक निराश होकर वापस जा रहे हैं। वहीं मांझीपाल में बंबू रापंटिंग, कयाकिंग के लिए राजनांदगांव आदि क्षेत्र से पहुंचे पर्यटकों ने बताया कि जलक्रीड़ा पर रोक होने से तीरथगढ़ जलप्रपात का दीदार कर घर लौट गए।

उफान पर नदी, उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में कयाकिंग और नाव बंद

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

अंचल की नदियों और बांधों में बारिश के चलते वाटर एडवेंचर की गतिविधियां बंद कर दी गई है।

- नौकाविहार करने भारी भीड़ देखने को मिलती है

वन विभाग द्वारा देवदहरा कुल्हाड़ीघाट नदी में कायकिंग की सुविधाएं बंद कर दी है।क्षेत्र मे लगातार बारिश से नदी उफान पर हैं और नदियों का रौद्र रूप नजर आ रहा है। ऐसे में पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कायकिंग बंद है। वहीं ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

केलो डेम लबालब, खोले गए चार गेट शहर के निचले इलाकों में भरा पानी

छाता लगाकर पढ़ाई

मैनपुर। गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड का ग्राम पयलीखण्ड के भूगर्भ में न जानें कितने अरबो-खरबों रुपए का हीरा दबा पड़ा है, लेकिन इस अमीर धरती के रहवासी कैसे जी रहे हैं, इसकी झलक यहां के प्राइमरी स्कूल से लगा सकते हैं। यहां प्राथमिक शाला एवं मिडिल स्कूल का संचालन दो कमरों मे किया जा रहा है और छत पूरी तरह जर्जर है। लगातार बारिश के कारण छत से पानी टपक रहा है, जिसके कारण बच्चों को छाता लगाकर पढ़ाई करनी पड़ रही है।

देशभर में मानसून सक्रिय है। उत्तरभारत में भारी बारिश के कहर से लोग परेशान हैं। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के उत्तर और मध्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि रायपुर और सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। रायगढ़ के निचले इलाकों में घरों में पानी घुस गया। केलो डेम के 4 गेट खोले गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

बीते दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश से जिले नदी-नाले जहां उफान पर हैं। वहीं खेतों की प्यास भी बुझ गई है। हालांकि रोपा के लिए अभी भी काफी पानी की जरुरत है। किसान इसका इंतजार कर रहे हैं। दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश से केलो डेम भी लबालब भर चुका है। अभी क्षमता से केवल 1.75 एमएम ही कम है। इसके बाद भी भराव की आशंका से चार गेट खोल दिए गए हैं। इससे काफी मात्रा में पानी बाहर आ रहा है। जून में बारिश के लिए तरसे किसानों ▶▶|शेष पेज 6 पर

दो दिनों की बारिश से बांध छलका नदी और नाले उफान पर

भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर 12 घंटे के भीतर हुई 113 मिमी वर्षा

अम्बिकापुर। बीती रात हुई भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। भारी बारिश के कारण विभिन्न क्षेत्रों में पुल-पुलियों के ऊपर नदी-नालों का तेज रफ्तार पानी बहने के कारण सुबह घंटों आवागमन बाधित रहा। मौसम विज्ञानी आगे भी अच्छी वर्षा होने की संभावना जता रहे हैं। मध्यप्रदेश की ओर अग्रसर चक्रवाती परिसंचरण के मंगलवार को उत्तर छत्तीसगढ़ के ऊपर केंद्रित होने के कारण बीती रात मूसलाधार बारिश हुई। मौसम कार्यालय द्वारा 12 घंटे के भीतर 13.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। बीती रात की वर्षा सीजन की पहली वर्षा है जिसमें 12 घंटे के भीतर इतनी वर्षा हुई है। पूरे सरगुजा संभाग में भारी वर्षा होने के कारण नदी-नाले उफान पर है। बारिश के बाद कनहर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। हालांकि नदी की बाढ़ से अभी खतरे की स्थिति निर्मित नहीं हुई है लेकिन जलस्तर बढ़ने पर नगर पंचायत के सीमावर्ती वार्डों एवं निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। इधर सूरजपुर जिलान्तर्गत बरगा नदी में बाढ़ आने से दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में बिहारपुर-रसौकी मार्ग से आवागमन ठप हो गया है तथा ग्राम रसौकी पूरी तरह से टापू बन गया है। भारी बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों में पुल-पुलियों के ऊपर नदी-नालों का तेज रफ्तार पानी बहने के कारण घंटों आवागमन बाधित रहा।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में फैसला, कृष्ण मोहन बने रहेंगे महासचिव

राम मंदिर में नियुक्त होंगे प्रवक्ता सीईओ की नियुक्ति अगले माह

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में दान चोरी प्रकरण के बाद स्थिति में बदलाव होता दिख रहा है। ट्रस्ट की बैठक में महासचिव पद पर फैसला नहीं हुआ है। पूर्व महासचिव चंपत राय के इस्तीफे के बाद डॉ. कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव बनाया गया था। अभी वे इस पद पर बने रहेंगे। ट्रस्ट का एक प्रवक्ता नियुक्त किया जाएगा। वहीं, सीईओ का चयन एक महीने के बाद होगा। ट्रस्ट की ओर से एक धार्मिक समिति का गठन किया गया है।

अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बुधवार को हुई अहम बैठक में मंदिर में पूजा-पाठ की सम्पूर्ण व्यवस्था के लिये गठित 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन करके उसमें अयोध्या के पांच संतों समेत कुल नौ सदस्यों को शामिल करने और ट्रस्ट का एक प्रवक्ता तथा सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

सीईओ पर बड़ी जानकारी

बैठक में सीईओ के चयन प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। ट्रस्ट की ओर से 18 जुलाई तक सीईओ पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। दावा किया जा रहा है कि इसके लिए 2500 से 5500 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें कथित तौर पर कई रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस, सीनियर ब्यूरोक्रेट और प्रोफेशनल्स के आवेदन मिले हैं।

दो सितंबर को अगली बैठक

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक 2 सितंबर को होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में नए महासचिव और सीईओ के नाम का ऐलान किया जा सकता है। राम मंदिर में दान चोरी विवाद, एसआईटी जांच और सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बीच बुधवार दोपहर 3 बजे से ट्रस्ट की बैठक शुरू हुई।

पांच संत संभालेंगे पूजा-पाठ

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि ट्रस्ट ने मंदिर के सारे धार्मिक कार्यों का दायित्व अयोध्या के संतों को सौंपने का फैसला लेते हुए 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन किया है। उन्होंने बताया कि इस समिति में अयोध्या के पांच संत महंत कमल नयन दास, स्वामी रामानंद जी महाराज, राजकुमार दास जी महाराज, स्वामीन मिथिलेश नंदनी शरण जी महाराज और स्वामी दिनेंद्र राज महाराज शामिल हैं। गिरि ने बताया कि उनकी अध्यक्षता वाली इस समिति में उनके साथ-साथ तीन अन्य लोग भी इस समिति के सदस्य होंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एअर इंडिया की तेल अवीव से दिल्ली उड़ानें सस्पेंड

यरुशलम। एअर इंडिया ने 'तेल अवीव-दिल्ली' वायुमार्ग पर अपनी उड़ानों का निलंबन सितंबर के अंत तक के लिए बढ़ा दिया है। पश्चिम एशिया में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर निलंबन लगातार बढ़ाती आ रही है। अमेरिका और ईरान द्वारा सैन्य गतिविधियां तेज किए जाने के बाद पिछले 10 दिनों में उत्पन्न हुई नई सुरक्षा चिंताओं के बीच यह घोषणा की गई है।

साड़ी नहीं लाने पर पति की हत्या कर दी

मुंबई। साड़ी नहीं लाने को लेकर हुए घरेलू विवाद के बाद प्रेशर कुकर के ढक्कन से अपने पति की कथित तौर पर पिटाई करने और गला दबाकर उसकी हत्या करने के आरोप में 30 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है। बिहार के रोहतास जिले की रहने वाली आरोपी सुनीता देवी हरेराम सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया।

40 लाख मूल्य का मादक पदार्थ जब्त

महराजगंज। सशस्त्र सीमा बल और पुलिस की संयुक्त टीम ने नेपाली नागरिक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 40.47 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक बरामद की। भारत से नेपाल जा रहे नेपाल के रूपेंदेही जिले के निवासी रणवीर गुरुंग (19) को नियमित जांच के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

अनंतनाग में दहला लाल चौक

आतंकी हमला, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में तैनात हेड कांस्टेबल शहीद

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग शहर में आतंकवादियों के हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हवलदार आशिक हुसैन हमले में घायल हो गए और उन्हें अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने हुसैन को मृत घोषित कर दिया। हमलावरों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। घटना के तुरंत बाद लश्कर-ए-ताइबा की प्रॉक्सी शाखा माने जाने वाले प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीआरएफ ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

राज्यपाल ने की निंदा

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इस जघन्य कृत्य के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। जम्मू-कश्मीर पुलिस और हमारे सुरक्षा बल मौके पर मौजूद हैं और दोषियों को सजा दिलाएंगे।

देश की समुद्री सुरक्षा में नई ताकत बनेगा यह स्वदेशी युद्धपोत

आईएनएस मालवन भारतीय नौसेना में किया गया शामिल

नई दिल्ली। नया आईएनएस मालवान अब देश की समुद्री सुरक्षा में नई ताकत बनेगा। बुधवार को कर्नाटक के करवार में भारतीय नौसेना के दूसरे स्वदेशी माहे क्लास एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्रॉफ्ट युद्धपोत आईएनएस मालवान को आधिकारिक रूप से सेवा में शामिल कर लिया गया। यह जहाज कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया है। कमीशनिंग समारोह की अध्यक्षता भारतीय वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने की। समारोह में वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वेस्टर्न नेवल कमांड भी मौजूद थे।

'बाघ का नख' चिन्ह

आईएनएस मालवान का नाम भारतीय नौसेना के पुराने इनशोर माइंसवीपर से लिया गया है, जिसने 19 साल की सेवा के बाद 2003 में सेवानिवृत्ति ली थी। समारोह में आईएनएस मालवान का क्रेस्ट अनावरण किया गया, जिसमें बाघ का नख का चिन्ह प्रमुखता से शामिल है। यह चिन्ह बहादुरी, युद्ध कौशल, चपलता और साहस का प्रतीक है। जहाज का नारा साइलेंट क्लास है, जो चुपके से हमला करने और दुश्मन पर घातक प्रहार करने की क्षमता को दर्शाता है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया।

राज्यसभा में राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिया ब्योरा

सीएपीएफ कर्मियों को 50% जीएसटी छूट, एमबीबीएस में 26 सीटें आरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों में आर्थिक सहायता, शिक्षा संबंधी सुविधाएं, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं तथा पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाएं शामिल हैं। सीएपीएफ कर्मियों को केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार के सामान पर 50 प्रतिशत की जीएसटी छूट, कर्मी के परिजनों को 25 लाख रुपये से 35 लाख रुपये तक की अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है। गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी है।

अंशदायी कल्याण कोष

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के दिवंगत कर्मियों के निकटतम परिजनों (नेक्स्ट ऑफ किन) को अंशदायी कल्याण कोष से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

दुर्घटना मृत्यु बीमा कवरेज

सीएपीएफ वेतन पैकेज योजना के अंतर्गत दुर्घटना मृत्यु बीमा कवरेज दिया जाता है। इस योजना के तहत ड्यूटी के दौरान किसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मी की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए दुर्घटना मृत्यु बीमा कवरेज उपलब्ध कराया जाता है।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना

यह योजना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) एवं असम राइफल्स के कर्मियों के बच्चों तथा वीर नारियों (विधवाओं) को उच्च तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु संचालित की जाती है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 2,000 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं, जिनमें 1,000 लड़कों तथा 1,000 लड़कियों के लिए निर्धारित हैं। छात्रवृत्ति की राशि लड़कियों के लिए 3,000 रुपये प्रति माह (36,000 रुपये वार्षिक) तथा लड़कों के लिए 2,500 रुपये प्रति माह (30,000 रुपये वार्षिक) है।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें: धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें FARMITRA

BGI-D-1092/08-07-2026

चिंतन

सरकार जल्द शुरू करे युवाओं के साथ संवाद

देश की सबसे बड़ी ताकत और उम्मीद उसकी युवा आबादी है, लेकिन जब यही युवा सड़कों पर उतरकर अपनी बात कहने को मजबूर हों, लंबे समय तक आंदोलन करें, अनशन का सहारा लें और उनकी मांगों पर लगातार टकराव का माहौल बने, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह जाता। यह सरकार, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए आत्ममंथन का विषय बन जाता है। इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार युवाओं के साथ संवाद की पहल बिना किसी देरी के शुरू करे और उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें विश्वास में ले। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर उठे सवाल लाखों छात्रों की चिंता से जुड़े हैं। इन मुद्दों का समाधान केवल पुलिस बल, राजनीतिक बयानबाजी या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से नहीं निकल सकता। यदि युवाओं को यह महसूस होने लगे कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो असंतोष और अविश्वास बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में असहमति को सुनना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का परिचायक है। वहीं, विपक्ष भी युवाओं के भविष्य पर राजनीति नहीं करे, बल्कि तथ्यों और समाधान पर बात करे और संसद में भी जनहित की आवाज उठाए। संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। सरकार भी परीक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाए, ताकि देश का युवा आसानी से परीक्षा दे सके और किसी तरह की परेशानी न हो। सोनम वांगचुक का लंबा अनशन भी इसी चिंता का प्रतीक है। विपक्षी सांसदों ने उनसे अनशन समाप्त करने का आग्रह करते हुए भरोसा दिलाया है कि युवाओं के मुद्दे संसद में उठाए जाएंगे। यह सकारात्मक संकेत है, लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं होंगे। संसद में गंभीर चर्चा, समयबद्ध निर्णय और ठोस सुधारात्मक कदम ही इस भरोसे को मजबूत कर सकते हैं। लोकतंत्र में संसद से बेहतर संवाद का कोई मंच नहीं हो सकता। डिजिटल युग में जानकारी तेजी से फैलती है और किसी भी घटना पर युवाओं की प्रतिक्रिया भी तुरंत सामने आती है। ऐसे समय में संवाद से दूरी केवल गलतफहमियों को बढ़ाती है। यदि सरकार समय रहते छात्र संगठनों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ खुली बातचीत शुरू करती है, तो कई विवाद बिना टकराव के सुलझ सकते हैं। वहीं, आंदोलनकारी संगठनों और विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन वह पूरी तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में होना चाहिए। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, न कि ऐसा टकराव जिसमें आम जनता परेशान हो और मूल मुद्दा ही पीछे छूट जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि युवाओं के भविष्य पर राजनीति से अधिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। आज देश की शिक्षा व्यवस्था को केवल परीक्षा आयोजित करने वाली प्रणाली नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करने वाली प्रणाली बनाने की जरूरत है। यदि परीक्षा निष्पक्ष होगी, भर्ती समय पर होगी और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होगी, तो आंदोलनों की नौबत भी कम आएगी। लोकतंत्र की असली ताकत संवाद में होती है, दमन या टकराव में नहीं। सरकार को चाहिए कि वह जल्द युवाओं से औपचारिक बातचीत शुरू करे, उनकी आशंकाओं को दूर करे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे।

मुद्दा
अवधेश कुमार

दिशाहीन विरोध प्रदर्शनों की भयावहता

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना।

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। देखते-देखते लाखों फॉलोअर्स उसमें जुड़ गए। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना। अचानक वह दिल्ली में प्रदर्शन की घोषणा करते हैं और हवाई अड्डे पर उतरते हैं। हवाई अड्डे पर भी उनके स्वागत के लिए कोई भीड़ नहीं, न रास्ते में कहीं लोग। जंतर-मंतर पर पहले दिन का प्रदर्शन अत्यंत सामान्य रहा और उसमें शामिल होने वालों से ज्यादा दर्शकों की संख्या थी। सभी तरह के और सभी विचारधाराओं के लोग उसमें थे। लेकिन धीरे-धीरे ऐसी स्थिति बनी कि सोनम वांगचुक लद्दाख से आकर आमरण अनशन पर बैठ गए। कुछ सेलिब्रिटी आने लगे। विपक्ष के कुछ नेता आने लगे और धीरे-धीरे हुए वे सारे चेहरे जो शाहीनबाग से लेकर किसानों के नाम पर हुए आंदोलन या फिर अन्य ऐसे विरोध प्रदर्शनों में लगातार दिखते हैं।

संसद के मानसून सत्र के आरंभ के दिन संसद मार्च का ऐलान हुआ और फिर जिस तरह की भीड़ चारों तरफ जुटी, वह देश के सामने है। इस मार्च में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल लोग कुछ भी कहें ,पर एक नेतृत्वविहीन दिशाहीन अभियान का डरावना दृश्य देश ने देखा। भारी संख्या में पुलिस वाले घायल हुए, पुलिस के वाहन तोड़े गए और पुलिस के बल प्रयोग से प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। इसमें दो राय नहीं कि नीट का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण युवाओं के परिवारों और देश में भी क्षोभ व असंतोष का वातावरण था। आरंभ में ऐसा लगा भी कि यह नीट के छात्रों के भविष्य की लड़ाई है। इसी बीच एक महिला ने अभिजीत दीपके पर काली स्याही फेंकी।

उसका कहना था कि मेरे बेटे ने 680 अंक नीट में प्राप्त किए और लीक होने के बाद वह डिप्रेशन में चला गया, लेकिन यहां नीट कोई मुद्दा ही नहीं है। उसका यह भी कहना था कि सोनम वांगचुक यहां आमरण अनशन पर हैं और कोई भी वरिष्ठ व्यक्ति आंदोलन का उनका ध्यान रखने वाला नहीं है। अजीब दृश्य। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मरने का नारा और योगी आदित्यनाथ को छक्का कहा जा रहा है। पूरी स्थिति वही है जो हमने शाहीनबाग और फिर किसानों के नाम पर दिल्ली में हुए लंबे धरना प्रदर्शन में देखा था। इस बीच सरकार ने नीट परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली और उसके परिणाम भी आ गए। प्रश्न पत्र से लेकर पूरी परीक्षा और परिणाम तक जैसी सख्त व सुरक्षित व्यवस्था की गई, उससे साफ था कि सरकार के अंदर परीक्षा को स्वच्छ रूप से आयोजित करने का दृढ़ विचार है। साफ है कि दोबारा परीक्षा देने वाले जिन छात्रों का चयन नहीं हुआ होगा और पहली बार उन्होंने अच्छा किया होगा, उनको छोड़कर बाकी शेष के अंदर मन में पीड़ा होगी

लेकिन असंतोष का भाव नहीं होगा। भविष्य में नीट ही नहीं, किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक नहीं हों, उसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाने और जो कुछ हमारे पास सुझाव हैं, उन्हें सामने रखना स्वाभाविक है। पर इस अभियान में नीट और प्रश्न पत्र लीक का विषय हाशिये पर चला गया। कुल मिलाकर इसे अगर आंदोलन बोला जाए तो न इसका कोई निश्चित उद्देश्य रहा, न कोई दुरगामी कार्यक्रम। संसद मार्च की घोषणा हो गई। ऐसी स्थिति बनी कि दिल्ली ट्रैफिक जाम में फंसी रही। मेट्रो के अनेक स्टेशनों के द्वार बंद रहे। सरकार और प्रशासन की सतह पर जो सोच और रणनीति दिखाई पड़ती है, वह यही कि प्रदर्शन करने वाले अगर कानून की परिधि में करते हैं तो उनके साथ बल प्रयोग नहीं होना चाहिए। अभिजीत दीपके जिस दिन दिल्ली में उतरे, जंतर- मंतर पर धरने की पहले से अनुमति नहीं थी। धरना देने वाले पहले पुलिस से अनुमति लेते हैं और उसकी अवधि तय होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने हमें न्याय के लिए संघर्ष करने, अपनी आवाज उठाने का अधिकार दिया है किंतु उसमें कानून के साथ विवेक और मर्यादा की सीमाएं भी हैं। यह सरकार प्रशासन और विरोध करने वालों सब पर लागू होता है। उद्देश्य कुछ और हो तो फिर ऐसे ही होता है। अगर सरकार ने आपको प्रदर्शन की स्वतंत्रता दी, बेवजह लोगों को आने से रोका नहीं गया तो उसके नेतृत्व करने वाले का दायित्व था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रदर्शन की सीमाओं का पालन करते। पर पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि पूरे विश्व में एक अराजक उग्र नव वामपंथी धारा पैदा हुई है। नेपाल परिवर्तन से उसे जेन जी का नाम दिया गया। हमारे पड़ोस श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के परिवर्तन ने हमारे यहां भी और देश से बाहर रहने वाले अवांछित समूहों को प्रेरित किया है कि भारत में ऐसा कर नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध उथल-पुथल और अराजकता की स्थिति पैदा की जा सकती है। हमारे यहां राजनीतिक और गैर राजनीतिक विपक्ष में ऐसे लोग हैं जिन्हें इसमें अवसर दिखता है। हर ऐसे विरोध प्रदर्शन आंदोलन में सच्चे परिवर्तन या मांग के समर्थन वाले लोग साफ हृदय से आते हैं।

शाहीनबाग धरने से हमने देखा है कि उसकी दिशा, भाषा और लक्ष्य ऐसे लोगों के हाथों आ जाता है, जिनका हमेशा उद्देश्य नकारात्मक होता है। याद कीजिए, सीएए के विरुद्ध कहा जा रहा था कि भारी संख्या में मुसलमानों की नागरिकता चली जाएगी। क्या आज तक किसी एक की नागरिकता गई? इस कारण दिल्ली दंगों तक का शिकार हुई। किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक हो या कोई अन्य भ्रष्टाचार के विषय हो, पूरे समाज में क्षोभ पैदा होता है। हम सबको ध्यान रखना चाहिए कि इसका लाभ अवांछित तत्व न उठा सकें। अगर इस तरह विरोध प्रदर्शन हुए तो भविष्य में सरकारों और प्रशासन के लिए इनको नियंत्रित और सीमित करने के रास्ते निर्धारित करने पड़ सकते हैं। इसमें हमारे आपके विरोध के अधिकार पर ही बंदिश लगेगी। पुलिस प्रशासन का भी दायित्व है कि उनके अधिकारों के पालन का ध्यान रखने के साथ ऐसे अवांछित तत्वों की पहले से पहचान कर कुछ पूर्वोपाय के कदम उठाए। अब सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं और संभव है कि आगे भी गिरफ्तारियां हों, मामले दर्ज हों। हालांकि ऐसे विरोध प्रदर्शनों में पहले किसी के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई, न सजा हुई। कुल मिलाकर यह चिंता का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट के टिप्पणी के विरुद्ध सामान्य कटाक्ष से बना एक साइट प्रश्न पत्र लीक से जुड़ते हुए यहां तक पहुंच गया। ऐसा क्यों हुआ, कैसे हुआ, अगर इन प्रश्नों पर हम विचार करें तो उत्तर आसानी से मिल जाएगा। इसी से यह भी उत्तर मिलेगा कि आगे यह स्थिति कैसे पैदा न हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

चंद्रशेखर 'आजाद', जिनकी पिस्तौलों का भी इतिहास है

सन् 1919 में 13 अप्रैल को बैसाखी का दिन था और ब्रिटिश ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर ने पंजाब के जलियांवाला बाग में कुख्यात रॉलेट एक्ट के विरोध में हो रही शांतिपूर्ण सभा पर बिना कोई चेतावनी दिए बेहद क्रूरतापूर्वक अंधाधुंध पुलिस फायरिंग करा दी थी। इससे जो विचलित कर देने वाला नरसंहार हुआ, उसने देश में ऐसे विकट उद्वेलन पैदा किए कि जहां देशवासी डायर को 'द बूचर ऑफ अमृतसर' कहने लगे, वहीं नौजवानों का खून उबल पड़ा। वे अहिंसा का दामन छोड़कर हर हाल में प्रतिशोध, दूसरे शब्दों में कहें तो मरने-मारने वाले सशस्त्र संघर्ष के लिए मचलने लगे। अनंतर, उनके अरमानों व आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से 8-9 सितंबर 1928 को दिल्ली के ऐतिहासिक फिरोजशाह कोटला मैदान में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन गठित किया गया, जिसका उद्देश्य सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराना था। इसकी स्थापना के पीछे भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बटुकेश्वर दत्त और भगवती चरण वोहरा जैसे क्रांतिकारियों की सुविचारित

रणनीति थी और सच पूछिए तो यह अक्टूबर, 1924 में क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, शचींद्रनाथ सान्याल और योगेश चंद्र चटर्जी द्वारा स्थापित 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' का पुनर्गठित रूप था। इसकी आर्मी के कमांडर-इन-चीफ थे चंद्रशेखर आज़ाद, जिनकी आज 120वीं जयंती है। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के भाबरा गांव में 1906 में आज के ही दिन यानी 23 जुलाई को जन्मे आज़ाद ने कमांडर-इन-चीफ के तौर पर प्रतिज्ञा कर रखी थी कि वे किसी भी हालत में कभी भी जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे और उन्होंने अंतिम सांस तक अपनी इस प्रतिज्ञा का मान रखा। उनके कमांडर-इन-चीफ रहते दिसम्बर, 1928 में सांडर्स वध, अप्रैल, 1929 में सेंट्रल असेंबली बम कांड और दिसम्बर, 1929 में वायसराय लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर हमले जैसे क्रांतिकारी एक्शनों को अंजाम दिया गया। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इकलौते ऐसे नायक हैं, जिनके साथ उनकी पिस्तौलों ने भी इतिहास बनाया है। वे आमतौर पर अपने साथ एक माउजर पिस्तौल रखा करते थे, जिसे बेहद प्यार करते और 'बमतुलबुखारा' कहा करते थे। 27 फरवरी, 1931 को वे इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में गोरों की पुलिस से मुठभेड़ में शहीद हुए तो उनके पास माउजर नहीं, बल्कि कोल्ट नामक पिस्तौल थी। लाला लाजपत राय पर लाठियां बरसाने वाले अंग्रेज अधिकारी स्कॉट की हत्या के लिए 17 दिसम्बर, 1928 के जिस क्रांतिकारी एक्शन में उसकी जगह जॉन सांडर्स को मार डाला गया था, उसमें 'आजाद' अपनी माउजर ही साथ ले गये थे। उनके बाद उनकी उस माउजर का क्या हुआ? क्रांतिकारियों की स्मृतियों की रक्षा के उपक्रमों के प्रति समर्पित और उनके आन्दोलन के इतिहास के अप्रतिम अध्येता वरिष्ठ लेखक सुधीर विद्यार्थी बताते हैं कि अरसा पहले उन्होंने इलाहाबाद के कटरा मुहल्ले में 'आजाद' के आखिरी दिन तक उनके साथ रहे गढ़वाल के क्रांतिकारी भवानी सिंह रावत की मदद से जहां-जहां भी उक्त माउजर का सुराग लगने की उम्मीद थी, वहां-वहां की खाक छानी। उसकी बाबत जानकारियां जुटाने में सफल नहीं हो सके। इसलिए 1977 में समाचारपत्रों में इस माउजर के इलाहाबाद के संग्रहालय से चोरी हो जाने की खबर छपी तो मुझे बड़ी हंसी आई। कारण यह कि जो माउजर उक्त संग्रहालय में थी ही नहीं, वह चोरी कैसे हो सकती थी?

वे बताते हैं कि शहादत के वक्त 'आजाद' के पास माउजर के बजाय 'कोल्ट' पिस्तौल थी, क्योंकि माउजर से छोटी होने के कारण वह उन्हें ज्यादा सुविधाजनक लगती थी। प्रसंगवश, इलाहाबाद के अंग्रेज एसएसपी नट बावर की सेवानिवृत्ति के वक्त गोरी सरकार द्वारा आजाद की यह कोल्ट उन्हें उपहार में दे दी गई और वे उसे अपने साथ इंग्लैंड ले गये थे। उनका दावा था कि अल्फ्रेड पार्क में आजाद को पहले उन्हीं की गोली लगी थी। सेवानिवृत्ति के बाद बावर उत्तर प्रदेश शासन के पेंशनर हुआ करते थे और शायद इसी अधिकार से बाद में 'आजाद' की 'कोल्ट' को देश वापस लाने की मांग उठने पर इलाहाबाद के कमिश्नर मुस्तफी ने बावर को उसे लौटाने के लिए पत्र लिखा था। यह कैसी विडम्बना है कि आजाद जैसे शहीद देश के लिए अपने अप्रतिम बलिदान के बावजूद भारतीयों में अपने प्रति वैसी कृतज्ञता या श्रद्धा नहीं उत्पन्न कर पाये, जैसी उन्होंने अपनी शहादत का वायस बने नट बावर जैसे अंग्रेज पुलिस अधिकारी से दो-दो हाथ करके उत्पन्न कर दी थी?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो। विवेकशील या विद्वान व्यक्ति की प्रतिस्पर्धा प्रायः स्वयं से होती है। उसे आत्म-प्रतिस्पर्धा कहा जाता है।

गुरु ज्ञान से किसी की भी बदल सकता है सोच

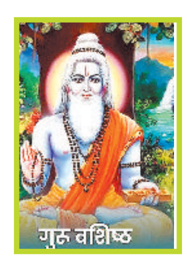

संकलित
प्रेरणा

ऋषि वशिष्ठ श्रीराम कुलगुरु थे। इन्हीं की सलाह पर राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। यज्ञ के फल से श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। इन्होंने वशिष्ठ पुराण, वशिष्ठ श्राद्धकल्प, वशिष्ठ शिक्षा आदि ग्रंथों की रचना भी की। जब विश्वामित्र एक राजा थे, तब एक दिन वे शिकार खेलते-खेलते बहुत दूर निकल आए। आराम करने के लिए वे ऋषि वशिष्ठ के आश्रम में रुक थे। आश्रम में विश्वामित्र ने कामधेनु नंदिनी गाय को देखा। नंदिनी गाय को देख विश्वामित्र ने वशिष्ठ से कहा कि ये गाय आप मुझे दे दीजिए, लेकिन ऋषि वशिष्ठ ने कामधेनु को देने से मना कर दिया। राजा विश्वामित्र कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले जाने लगे। विश्वामित्र कामधेनु के लिए युद्ध तक करने के लिए तैयार हो गए थे पर तब ऋषि वशिष्ठ के कहने पर नंदिनी गाय ने विश्वामित्र सहित उनकी पूरी सेना को भगा दिया। राजा विश्वामित्र को अपने सैनिकों सहित वापस राज्य में लौटना पड़ा। ऋषि वशिष्ठ का ऐसा प्रभाव देखकर विश्वामित्र बहुत हैरान हो गए। विश्वामित्र ने सोचा की तप में कितना बल है की एक व्यक्ति अपने तप से सभी को प्रभावित कर सकता है। इस घटना के बाद विश्वामित्र ने राज-पाठ छोड़ दिया और तप करने लगे। वशिष्ठ जी के ज्ञान और तप के प्रभाव से विश्वामित्र की सोच बदल गई और बाद में वे भी बह्मर्षि बन गए। गुरु अपने ज्ञान और तप से किसी भी व्यक्ति की सोच बदल सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग ही सार्थक जीवन का आधार

मनुष्य का जीवन उसके विचारों और प्रवृत्तियों से निर्मित होता है। प्रत्येक व्यक्ति दिनभर अनेक प्रकार के कार्य करता है, अनेक विषयों पर सोचता है और अनेक निर्णय लेता है। इन्हीं प्रवृत्तियों के आधार पर उसके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण होता है। सामान्यतः मनुष्य की प्रवृत्तियों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है–सार्थक और निरर्थक। सार्थक प्रवृत्तियां वे हैं जो जीवन को दिशा देती हैं, विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं और स्वयं तथा समाज के कल्याण में सहायक बनती हैं। इसके विपरीत निरर्थक प्रवृत्तियां व्यक्ति का समय, ऊर्जा, धन और मानसिक शक्ति नष्ट करती हैं तथा धीरे-धीरे उसके जीवन को तनाव, भ्रम और अशांति से भर देती हैं।

–कांतिलाल मांडोत, सूरत

करंट अफेयर

क्यूबा सरकार पर दबाव बढ़ाने अमेरिका ने भेजी खाद्य सामग्री

क्यूबा के लोगों को सीधे सहायता देने और वहां की सरकार पर दबाव बनाए रखने के अमेरिका के प्रयासों के तहत एक मालवाहक विमान खाद्य सामग्री और स्वच्छता किट लेकर मंगलवार को मियामी से क्यूबा के लिए रवाना हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, विमान में 700 पैकेट भेजे गए हैं। इन्हें क्यूबा सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि वहां के कैथोलिक संगठनों के जरिये सीधे लोगों में वितरित किया जाएगा। अमेरिका ने हाल में क्यूबा को कुल 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की पेशकश की थी, यह खेप उसी में से छह करोड़ डॉलर की पहली किस्त का हिस्सा है। यह सहायता ऐसे समय भेजी गई है, जब अमेरिका ने पिछले कई महीनों में क्यूबा सरकार और उससे जुड़े संस्थानों पर दबाव बढ़ाया है। इसके तहत मुख्य रूप से देश के सैन्य और खुफिया तंत्र पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऊर्जा और तेल की नाकेबंदी के कारण क्यूबा की अर्थव्यवस्था और वहां के लोगों का दैनिक जीवन लगभग ठप हो गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक विस्तृत दस्तावेज जारी कर क्यूबा पर पिछले पांच दशकों से अमेरिका में बड़े पैमाने पर जासूसी और वामपंथी प्रभाव बढ़ाने का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

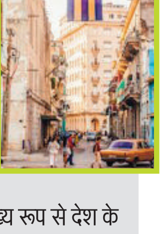

ऑफ बीट

कैंसर के जोखिम का कारण वह नहीं जो आप सोचते हैं

अगर आप लोगों से पूछें कि कैंसर किस वजह से होता है, तो शायद अधिकतर अपने जवाब में धूम्रपान, शराब पीने, सूरज की किरणों और बालों को रंगने वाली डाई जैसी चीजों को गिनाएंगे। लेकिन कैंसर के लिए सबसे प्रमुख जोखिम वाला कारक कुछ और है और वह है उम्र बढ़ना या बुढ़ापा आना (एजिंग)। यह बात सही है, कैंसर से जुड़ा सबसे बड़ा कारक अपरिहार्य है और यह एक ऐसी स्थिति है जिसका हम सभी अनुभव करेंगे। यह क्यों महत्वपूर्ण है? कनाडा और दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ती आबादी वृद्ध लोगों की है। 2068 तक, लगभग 29 प्रतिशत कनाडाई 65 वर्ष से अधिक आयु के होंगे। वृद्ध लोगों में कैंसर सबसे आम बीमारियों और कनाडा में सबसे आम बीमारियों में से एक है, इसका मतलब है कि हमें वृद्ध लोगों के लिए सबसे अच्छी कैंसर देखभाल प्रदान करने के बारे में सोचना होगा। जनसांख्यिकीय बदलाव : तो अब तक हम किस तरह काम कर रहे हैं? जवाब है– बहुत अच्छा नहीं। यह आश्चर्यजनक हो सकता है, लेकिन हमारे पास कैंसर देखभाल में इस जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए कुछ नया करने और तैयारी करने का एक शानदार अवसर भी है।

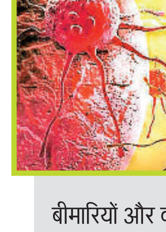

ट्रेंड

समन्वय समितियां

मानसून के दौरान जल-जमाव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, हमने दिल्ली के सभी 13 ज़िलों में ज़िला-स्तरीय समन्वय समितियां बनाई हैं। ये समितियां सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल करेंगी और जल-जमाव की स्थिति आदि में तुरंत कार्रवाई करने का काम भी देखेंगी।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद हालात का जायज़ा लेने के लिए मैंने डीजीपी नलिन प्रभात से बात की। ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इस घिनौने कृत्य के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

-**मनोज सिन्हा**, उप-राज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

राहुल गांधी का व्यवहार

राहुल गांधी का व्यवहार आज पूरी तरह से अशोभनीय और निंदनीय था। विपक्ष के नेता जैसे गरिमापूर्ण पद पर होने के बावजूद, राहुल गांधी इसे गंभीरता से नहीं लेते, यह बात आज उनके व्यवहार से साफ हो गई।

- **नितिन नवीन**, अध्यक्ष, बीजेपी

अच्छी शिक्षा देना ज़रूरी

अगर हम अपने देश को विकसित और समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देना बहुत ज़रूरी है। दिल्ली के बाद, अब पंजाब में भी हमने ग़रीबों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देना शुरू कर दिया है।

-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

लगातार तीसरे दिन बाधित रही संसद की कार्यवाही

लोकसभा में हंगामा

कल्याण बनर्जी पूरे सत्र के लिए निलंबित

प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष, इधर पेपर लीक पर चर्चा को केंद्र तैयार

संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को नीट परीक्षा विवाद, छात्र आंदोलन और अन्य मुद्दों को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। विपक्ष के लगातार विरोध और नारेबाजी के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी और अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान सरकार ने दोहराया कि वह नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, जबकि विपक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अपना रुख कायम रखा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने नीट परीक्षा और छात्र आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। प्रश्नकाल चलाने की कोशिश के बावजूद हंगामा नहीं थमा, जिसके चलते सदन पहले दोपहर 12 बजे और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित करना पड़ा। दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी विपक्ष का विरोध जारी रहा। इसी दौरान पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेनेटी ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने महिला सांसदों के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय टिप्पणी की, जिसकी शिकायत पीठ को मिली है। उन्होंने इसे सदन की गरिमा के विरुद्ध बताया। इसके बाद संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कल्याण बनर्जी को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हंगामा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

खास बातें

- डीएमके ने भी कहा कि नीट पर होनी चाहिए सदन में चर्चा
- विपक्षी दलों के सांसद बुधवार को काले कपड़ों में पहुंचे संसद

सरकार का दावा- चर्चा से नहीं भाग रहे

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार पहले दिन से ही नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा सदन के स्थापित नियमों के अनुसार होनी चाहिए और सरकार चाहती है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर सभी दल रचनात्मक बहस करें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी कहा कि सरकार चर्चा को तैयार है और सभी दल मिलकर चर्चा का समय तय करें, लेकिन विपक्ष के लगातार हंगामे के कारण कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी।

राज्यसभा में भी इस्तीफे पर टकराव

राज्यसभा में भी लगभग पूरे दिन यही स्थिति रही। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नियम 267 के तहत नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक निष्पक्ष चर्चा संभव नहीं है। खड़गे की इस मांग के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई और सदन में कई बार व्यवधान पैदा हुआ जिसके बाद उपसभापति हरिवंश ने कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित कर दी।

मुख्य टकराव का मुद्दा

संसद में गतिरोध का मुख्य कारण यह रहा कि सरकार बिना किसी पूर्व शर्त के नीट पर चर्चा कराने की बात कर रही है, जबकि विपक्ष का कहना है कि चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। इसी मुद्दे पर सहमति न बनने के कारण संसद का तीसरा दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया।

डीएमके विपक्ष के साथ नहीं

वहीं, हंगामे के बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पार्टी विपक्ष के साथ खड़ी हुई नजर नहीं आई। डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने भी कहा कि नीट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, हंगामे के कारण इस पर कोई सार्थक बहस नहीं हो सकी।

किसने क्या कहा

बहस टालने की हो रही कोशिश : रिजिजू

राज्यसभा में किरण रिजिजू ने कांग्रेस पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में कांग्रेस चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन अब नई-नई शर्तें जोड़कर बहस टालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे जनता के बीच गलत संदेश जा रहा है, जबकि सरकार स्पष्ट रूप से चर्चा के लिए तैयार है।

विपक्ष का रवैया गैर-जिम्मेदाराना : नड्डा

राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर काम कर रही है तथा जनता के हित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस्तीफा बगैर चर्चा नहीं : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा– चर्चा तब तक संभव नहीं है जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं दे देते। प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया और उन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। सोमवार को छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई 'बेहद पीड़ादायक है।

यह मुद्दा छात्रों के भविष्य का : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सदन में बयान देना चाहिए। अगर यहां हमारी बात सुन ली जाती, तो हमें प्रधानमंत्री आवास नहीं जाना पड़ता। हम मजबूरी वहां गए थे। यह मुद्दा कांग्रेस या समाजवादी पार्टी का नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य का है।

कृषि कानून की वजह से पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

पेरिस। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना

क्रम सं.(1) ई-निविदा संख्याः सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-05-26-27, दिनांकः 17.07.2026

कार्यः "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में कोचिंग डिपो/बिलासपुर में अमृत भारत ट्रेनों के लिए मेंटनेंस सुविधाओं का विकास, जिसमें इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन (EPC) मोड के तहत बिलासपुर में अमृत/वंदे भारत ट्रेनों के मेंटनेंस के लिए हेवी रिपेयर वे और सर्विस-कम-स्टोर बिल्डिंग का निर्माण शामिल है। **निविदा मूल्य (रू): 96,18,00,000.00/-, अमानत राशि (रू) 1,92,36,000.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह । **निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः** दिनांक 07.10.2026 से, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः** दिनांक 21.10.2026 के 15:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in. वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता गतिशक्ति

सीपीआर/10/302 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

अमेरिका ने ईरान पर 11वीं रात किए भीषण हवाई हमले

एजेंसी ▶▶ दुबई

अमेरिकी सेना ने बुधवार तड़के ईरान के कई इलाकों पर लगातार 11वीं रात हवाई हमले किए, जिससे मिडिल ईस्ट में सीजफायर की कोशिशें पूरी तरह टूटी गई हैं। ये भीषण संघर्ष वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों को और तेज करने के संकेत देते हुए कहा है कि वाशिंगटन की फिलहाल ईरानी अधिकारियों से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका हर बार उसके एक पुल या बिजली संयंत्र को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दी गई अपनी इस चेतावनी में ईरानी हमलों के जवाब में नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की अपनी पुरानी धमकियों को फिर से दोहराया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों पक्षों की ओर से हमले तेज हो गए हैं, जिससे युद्ध समाप्त करने का एक अंतरिम समझौता पूरी तरह से टूट गया है।

ईरान के पुल, संयंत्र तबाह करेगा अमेरिका : ट्रंप

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'अब से, इस्लामी गणराज्य ईरान जब भी होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार से निशाना साधेगा, अमेरिका उसके एक पुल या बिजली संयंत्र पर बमबारी करेगा और उसे नष्ट कर देगा।'

ईरान ने भी दी युद्ध फैलाने की धमकी

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान के खातम अल-अंबिया सेंट्रल मुख्यालय ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका परमाणु या संवेदनशील ठिकानों पर हमला करता है तो इसे पूरे क्षेत्र में युद्ध का विस्तार माना जाएगा और अमेरिका व उसके सहयोगियों के सभी हितों को निशाना बनाया जाएगा।

मैक्सिकन कैदी ने किया ट्रम्प पर केस

वाशिंगटन। अमेरिका में 27 साल के मैक्सिकन नागरिक ब्रैंडन ऑर्टिज-वाइट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ संघीय अदालत में केस किया है। उसने 75 मिलियन डॉलर (करीब 620 करोड़ रुपए) हर्जाने, सार्वजनिक माफी और अमेरिकी नागरिकता की मांग की है। ऑर्टिज-वाइट पर मिशिगन की महिला रूबी गार्सिया की हत्या का दोष है। वह 2024 में हत्या के मामले में दोषी पाए जाने के बाद 39 से 102 साल की सजा काट रहा है। उसका आरोप है कि ट्रम्प ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान उसके केस का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया। ऑर्टिज-वाइट ने हाथ से लिखी शिकायत में ट्रम्प और व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशन डायरेक्टर स्टीवन च्युंग को आरोपी बनाया है।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN:U40108CT2003SGC015821

No.15-06/S&P/ EE-II/CHP-M./P/T-152/26/1996 Marwa, dtd.21-07-26

NOTICE INVITING E-TENDER NO. TN. -120 /2026

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced firms for Supply as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa:-

S. No.	Tender Specification No.	RFx No. (E-Tender No.)	Particulars	Last Date/Time of submission of bid.	Tender Fee	EMD
01.	15-06/ S&P/ EE-II/ CHP-M/P/ T-152/26	8100053133	Supply of 100W LED Flameproof Well Glass Fittings for Tunnel Area of CHP at 2x500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	14.08.2026 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- + GST @ 18%)	Rs. 12,320/-

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Procurement)
O/o The Addl. Chief Engineer (S&P)
ABVTPS, CSPGCL, Janjgir- Champa

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,
लोहण्डीगुड़ा, जिला-बस्तर (छ.ग.)
Email: :-itilohandiguda@gmail.com&itilohandiguda@rediffmail.com

सूचना

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था लोहण्डीगुड़ा, जिला–बस्तर (छ.ग.) में सत्र 2026–27 एवं 2026–28 में संचालित एकवर्षीय व्यवसाय कोपा रिक्त सीट 15, प्लम्बर रिक्त सीट 22 एवं द्विवर्षीय व्यवसाय विद्युतकार रिक्त सीट 7 तथा व्यवसाय फिटर रिक्त सीट 16 में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन दिनांक 24.07.2026 को रात्रि 11:59 बजे तक आमंत्रित किये जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाईट cgiti.admissions.nic.in पर जाकर ऑन लाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के पूर्व अभ्यर्थी उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का भलीभांति अध्ययन कर लें। किसी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए अभ्यर्थी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था लोहण्डीगुड़ा, जिला–बस्तर (छ.ग.) अथवा उक्त वेबसाईट पर प्रदर्शित हेल्पलाईन पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य
शासकीय औद्योगिक आशिक्षण संस्था
लोहण्डीगुड़ा, जिला-बस्तर (छ0ग0)

जी.262702279/1

अमेरिका में जेनेरिक दवाओं पर लगाया गया टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जेनेरिक दवाओं के आयात पर नई टैरिफ नीति की घोषणा की है। ट्रम्प ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो वर्षों तक कोई टैरिफ नहीं लगेगा। इसके बाद 2028 से एक साल के लिए 100% और फिर 200% आयात शुल्क लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस नीति का मकसद दवा कंपनियों को अमेरिका में ही मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। जो कंपनियां तय समय में अमेरिका में उत्पादन शुरू नहीं करेंगी, उन्हें ऊंचे टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। यह फैसला अमेरिकी नागरिकों के हितों की रक्षा और देश में दवा निर्माण बढ़ाने के लिए लिया गया है। हालांकि पेटेंट, ब्रांडेड और इनोवेटिव दवाओं पर लागू मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत में बढ़ेगी दवाओं की लागत– भारत दुनिया में जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है और अमेरिका उसका सबसे बड़ा बाजार है। ऐसे में दो साल की राहत के बाद 2028 से 100% और फिर 200% टैरिफ लागू होने पर भारतीय दवा कंपनियों की लागत बढ़ सकती है। इससे कंपनियों पर अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने का दबाव भी बढ़ेगा और भारतीय जेनेरिक दवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रभावित हो सकती है। भारत में बनी जेनेरिक दवाओं का उपयोग अमेरिका में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, संक्रामक रोगों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के उपचार में व्यापक रूप से किया जाता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया।

कार्यालय अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति, चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगॉव (छग)
Office Phone: 07744-296105, Website: abvmgmcrajnandgaon.ac.in
Email: gmc.rjn@gmail.com

क्रमांक / 3827 / चिकि./स्था./2026 राजनांदगाँव, दिनांक 17/07/2026

// संविदा भर्ती सूचना//

भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) के विभिन्न विभागों में चिकित्सा शिक्षकों/ चिकित्सकों के वर्तमान में रिक्त पदों पर छ0ग0 सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 में उल्लेखित शर्तो के अधीन संविदा आधार पर भर्ती किये जाने हेतु प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ बुधवार को एवं अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस में भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) में "वॉक–इन–इन्टरव्यू आयोजित किया जाना है।

उक्त विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) के वेबसाईट **abvmgmcrajnandgaon.ac.in** से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति,
चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

जी.262702290/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र. 195703/निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि./2026–27
दि. 21.07.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 07.08.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम – धमतरी जिले के महानदी परियोजना समूह अंतर्गत रविशंकर सागर बांध के सुदृढीकरण एवं पुनर्वास का कार्य।

अनुमानित लागत – रू. 388.32 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

(छ.ग. ज.सं.वि. के एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025), छ.ग. लो.नि.वि के दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित बिल्डिंग एस.ओ.आर. तथा छ.ग. लो.नि.वि के दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित वि/यां एस.ओ.आर. पर आधारित)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.07.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग, रूद्री, कोड नं. 38
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी. 262702270/4

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ0ग0)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204,
वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/GENS–2101/3569/2026/Exam/DIS/613801/ 2026 नवा रायपुर दिनांक 21/07/2026

सहायक ग्रंथपाल (प्रारंभिक) परीक्षा 2026

सहायक ग्रंथपाल (प्रारंभिक) परीक्षा 2026 दिनांक 26.07.2026 को जिला बिलासपुर, दुर्ग एवं रायपुर के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसकी समय सारणी निम्नानुसार है : –

DATE	DAY	TIME
26.07.2026	SUNDAY	10.00 AM TO 12.00 PM

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र दिनांक 15.07.2026 को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना या SMS व्यक्तिशः नहीं भेजा जायेगा।

परीक्षा नियंत्रक
छ.ग. लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर, अटल नगर

जी. 262702285/2

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
(ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha,
Raipur (C.G.)-492006, CIN: U45203CT1981SG001853,
PAN AABCM6288N, GST Regn. No. 22AABCM6288NSZY
Phone: 0771-6621000, Fax: 0771-2583794 Website: www.csidc.in,
Email address: csidc.cg@nic.in, cside_raipur@yahoo.com

Invitation for Expression of Interest (EOI)

EOI/NIT No. 07/CSIDC/E.E./Division-III/2026-27
Raipur, dated 20/07/2026

The Government of Chhattisgarh, through the Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC), invites reputed Agencies to submit Expressions of Interest (EOI) for the. "Selection, of Agency for Design, Engineering, Supply, Construction, Installation, Testing, Commissioning and Comprehensive Operation & Maintenance of Five (05) Years for proposed Effluent Treatment Plant (ETP) on Turnkey Basis at Pharmaceutical Park (Phase-I) Sector-22, Nava Raipur, Atal Nagar (C.G.)".

The EOI document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from website www.csidc.in from 21/07/2026 and shall be submitted as detailed below:

Key Details:

* **Last date for Submission of EOI:** 10/08/2026, 5:00 P.M.
* **Submission Mode:** EOI should be submitted in a sealed envelope, super scribed as:
  "Expression of Interest (EOI)" for proposed Effluent Treatment Plant (ETP) on Turnkey Basis at Pharmaceutical Park (Phase-I) Sector-22, Nava Raipur, Atal Nagar (C.G.)".
* **Address for Submission:**
  The Managing Director,
  Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC),
  1 Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 01, Telibandha, Raipur (C.G.)-492001

For further information and clarifications, please contact:

* Shri Mahendra Singh Thakur, Executive Engineer, Division-III, CSIDC
* Mobile: +91 98279-57045
* Email: csidc.cg@nic.in, cside_raipur@yahoo.com

Executive Engineer,
Division-III

S-48526

कार्यालय-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय कबीरधाम (छ.ग.)

सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 12/08/2026 समय संध्या 5 बजे तक

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, कबीरधाम (छ.ग.) में निष्पादन लिपिक, साक्ष्य लेखक एवं आदेशिका लेखक के रिक्त पदों पर अर्हता प्राप्त भारतीय नागरिकों और भारत सरकार द्वारा मान्य अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं जिनकी योग्यताएं नीचे दिए विवरण के अनुसार है–

निष्पादन लिपिक, साक्ष्य लेखक एवं आदेशिका लेखक (वेतन मैट्रिक्स का लेवल 04, 19,500–62,000)

पदों का श्रेणीवार विवरण

क्र.	पद नाम	रिक्त पदों की संख्या	अनारक्षित पद					आरक्षित पद – अन्य पिछड़ा वर्ग					आरक्षित पद – अनुसूचित जाति					आरक्षित पद – अनुसूचित जनजजाति				
			मुक्त	महिला	दिव्यांग	भूतपूर्व सैनिक	योग	मुक्त	महिला	दिव्यांग	भूतपूर्व सैनिक	योग	मुक्त	महिला	दिव्यांग	भूतपूर्व सैनिक	योग	मुक्त	महिला	दिव्यांग	भूतपूर्व सैनिक	योग
1	निष्पादन लिपिक	2	2	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	साक्ष्य लेखक	4	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2	1	0	0	0	1
3	आदेशिका लेखक	4	1	0	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2

नोट–विस्तृत जानकारी कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय कबीरधाम की वेबसाइट https://kabirdham.dcourts.Gov.In / पर उपलब्ध है।

अध्यक्ष
चयन समिति
कार्यालय : जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कबीरधाम जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

जी-262702293/2

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, जशपुर वनमण्डल, जशपुर

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि जशपुर वनमण्डल के अन्तर्गत काष्ठागार गम्हरिया (जशपुर) में उपलब्ध निम्नांकित ईमारती एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई–ऑक्शन द्वारा निर्वर्तन किया जावेगा। इच्छुक पंजीकृत व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें । ई–आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार गम्हरिया से प्राप्त की जा सकती है ।

डिपो का नाम – काष्ठागार गम्हरिया (जशपुर), नीलाम दिनांक – 29.07.2026, नीलामी प्रारंभ – प्रातः 09:00 बजे से

प्रजाति	नीलाम में प्रस्तावित अनुमानित मात्रा – नया लाट: लट्ठा घ.मी.	नया लाट: बल्ली+ डेंगरी नग	पुराना लाट: लट्ठा घ.मी.	पुराना लाट: बल्ली+ डेंगरी नग	योग: लट्ठा घ.मी.	योग: बल्ली+ डेंगरी नग	मिश्रित जलाऊ चट्ठा,
1	2	3	4	5	6	7	8
सागौन	8.414	225	141.179	2742	149.593	2967	पुराना
साल	23.697	0	2403.536	8497	2427.233	8497	326
बीजा, शीशम, खम्हार	0.000	0	26.023	733	26.023	733	नया
अन्य प्रजाति	1.399	0	82.052	7124	83.451	7124	0
चिरान काष्ठ	0.000	0	3.557	0	3.557	0	
योग	33.510	225	2656.347	19096	2689.857	19321	326

उपरोक्त मात्रा में परिवर्तन संभावित है।

टीप :-

01. क्रेताओं को ई–ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई- कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
02. क्रेताओं को ई–ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लाट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई–ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं ।
04. ई–ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

वनमण्डलाधिकारी
जशपुर वनमण्डल जशपुर

जी. 262702282/4

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

हाई बीपी की वजह से जब महसूस हो सिरदर्द

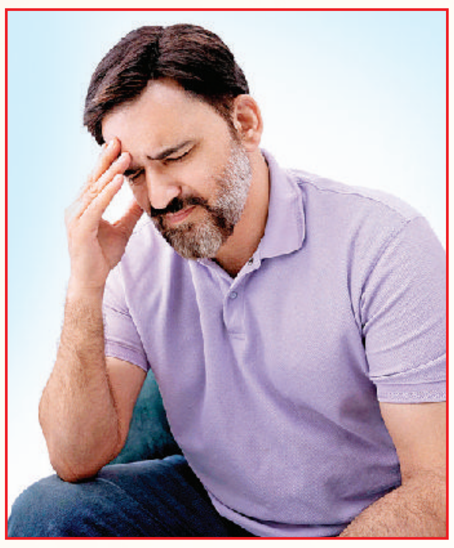

मेरी उम्र 43 वर्ष है। हाल ही में मुझे हाई बीपी की समस्या का पता चला। अकसर सिरदर्द और चक्कर महसूस होता है। कृपया बताएं मुझे कौन सी दवा और कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-शेखर, बिलासपुर

आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वे एक हफ्ते तक बीपी मॉनिटर करेंगे। आपका बीपी कब बढ़ता है, किस समय ज्यादा होता है, इसका पता करेंगे। इसके बाद वह दवा डिसाइड करेंगे। बिना जांच के कोई भी बीपी की दवा खाना ठीक नहीं रहेगा। इसलिए डॉक्टर पूरा मॉनिटर करने के बाद ही दवा सजेस्ट करेंगे। उसे आपको रेग्युलर खाना होगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी स्किन पर लाल-लाल दाने और रैशेज हो जाते हैं। इनमें ईचिंग होती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-जितेश, जांजगीर चांपा

आपने यह नहीं बताया कि ये दाने पानी वाले हैं या सूखे? क्योंकि दोनों तरह के दाने का कारण अलग-अलग होते हैं। फिलहाल आप इन दानों को नाखून से खुजलाएं नहीं और इन पर नारियल का तेल लगाएं। अगर ज्यादा परेशानी हो रही हो तो आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल कोई भी एंटी एलर्जी दवा आप ना लें।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले पड़ जाते हैं। इससे चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। कृपया बताएं कि इससे कैसे निजात पाया जाए?

-देवेंद्र, महासमुंद

क्या आपके पैर बरसाती पानी में अधिक रहते हैं? क्योंकि कई बार इस पानी में गंदगी मिली होती है, जिससे पैरों में इंफेक्शन हो जाता है। अगर ऐसा है तो आप घर आकर पैरों को साबुन से धोएं और ठीक तरीके से पोंछें। अगर संभव हो तो डिसइंफेक्टेंट मिले पानी से धुलें और फिर उस के बाद सुखाकर नारियल तेल भी लगा सकते हैं। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ माह पहले किडनी में स्टोन का ऑप्रेशन हुआ था। कुछ दिनों से उसी स्थान पर दर्द हो रहा है। प्लीज बताएं अब मुझे क्या करना चाहिए?

-मुकेश, भोपाल

आपको डॉक्टर से संपर्क कर एक अल्ट्रासाउंड कर लेना चाहिए। अगर आपका ऑप्रेशन हो चुका है तो स्टोन के दर्द की संभावना बहुत कम है। हो सकता है कि इंफेक्शन की वजह से यह समस्या आ रही हो, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है।

मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे सर्दी-खांसी की समस्या लगातार बनी हुई है। कफ-सिरप और दवाइयां भी कुछ खास असर नहीं कर रहीं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कमलेश, जींद

आप बता रहे हैं कि खांसी लंबे समय से आ रही है तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए। वैसे भी 2 सप्ताह से अधिक खांसी होने पर टीबी की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। मौजूदा मौसम में वायरल इंफेक्शन भी हो जाता है, जिससे खांसी आती है। लेकिन आप फिलहाल फ्रिज में रखी चीज और ठंडा पानी पीना बिल्कुल बंद कर दें। बाजार का पानी भी न पिएं। इसके बाद भी राहत नहीं मिलती तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी अस्थमा की समस्या बढ़ जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्या करूं, जिससे इस बरसात के मौसम में स्वस्थ रह सकूं।

-रत्नेश्वर, जबलपुर

आपको घर से निकलते समय मुंह और नाक पर मास्क लगा लेना चाहिए। साथ ही जब तेज हवा या आंधी चले तो कोशिश करें घर के अंदर रहें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को धूल से दिक्कत हो जाती है। इस तरह बचाव करके ही आपको राहत मिलेगी। लेकिन ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर आप इनहेलर या कोई दवा लिखवा सकते हैं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना और इस बीमारी से होने वाली गंभीर जटिलताओं को रोकना है।

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस रोग और इसके होने के कारणों के बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर के कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, **डॉ. सचिन एच. जे.** बताते हैं कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है। यह मुख्य रूप से हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। वहीं, हेपेटाइटिस डी केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होते हैं। संक्रमण के प्रकार के अनुसार बीमारी कुछ मामलों में कुछ सप्ताह में ठीक हो सकती है, जबकि कई मामलों में यह लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर रूप ले सकती है।

लापरवाही हो सकती है खतरनाक

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो यह लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

नहीं दिखते स्पष्ट लक्षण

हेपेटाइटिस रोग होने पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में अकसर इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह है कि कई लोग वर्षों तक इस संक्रमण के साथ सामान्य जीवन जीते रहते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बीमारी कई बार गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। इसलिए हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों के बारे में सजग रहना बहुत जरूरी है।

हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस के लक्षण अलग-अलग रोगियों में अलग तरह के हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बिना कोई परिश्रम किए लगातार थकान महसूस होना, भूख कम लगना, मितली, उल्टी, लंबे समय तक हल्का बुखार बने रहना, पेट के दाईं ओर दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का पेशाब आना, हल्के रंग का मल तथा शरीर में कमजोरी शामिल हो सकती है। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतना जान लेवा हो सकता है।

स्पेशलः वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

हेपेटाइटिस, लिवर यानी यकृत में होने वाला गंभीर वायरल संक्रमण है। अलग-अलग कारणों, लक्षणों और गंभीरता के स्तर पर इसके कई प्रकार होते हैं। इन सभी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव है लेकिन इसके लिए समय रहते हेपेटाइटिस की पहचान होना जरूरी है। इसलिए यहां डिटेल में हेपेटाइटिस के कारणों, उसके लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं।

हेपेटाइटिस समय पर पहचान से पॉसिबल है प्रॉपर ट्रीटमेंट

टीकाकरण-इलाज से बचाव संभव

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय**, हेपेटाइटिस से बचाव के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपायों के बारे में बताते हैं। उनके अनुसार, 'हेपेटाइटिस बी का सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है, इसलिए नवजात शिशुओं से लेकर जोखिम वाले वयस्कों तक सभी को डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना चाहिए। साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें, भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें, केवल नई और स्टेराइल सुई का इस्तेमाल करें। बिना जांचे हुए रक्त कभी ट्रांसफ्यूज न करवाएं। हमेशा सुरक्षित यौन संबंध अपनाएं। टैटू या पियर्सिंग हमेशा प्रमाणित केंद्रों पर ही कराएं। यानी जहां पर हाइजीन और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को हेपेटाइटिस बी या सी का खतरा है या परिवार में किसी को यह संक्रमण है, तो समय पर ब्लड टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। आज हेपेटाइटिस बी को दवाओं से नियंत्रित किया जा सकता है और हेपेटाइटिस सी का आधुनिक एंटीवायरल दवाओं से अधिकांश मामलों में सफल इलाज संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।'

सबसे जरूरी है जागरूकता

हेपेटाइटिस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, समय पर जांच, टीकाकरण और सही इलाज है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कई लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे संक्रमण का पता देर से चलता है। ऐसे में जोखिम वाले लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए और लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन उपायों से होगा बचाव

हेपेटाइटिस से बचाने के लिए आप अपने दैनिक जीवनचर्या में यहां बताई जा रही बातों को अमल में लाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

- हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को अपनाएं।
- स्वच्छ, ताजे और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। हमेशा स्वच्छ और संक्रमणमुक्त पानी ही पिएं। सबसे ज्यादा संक्रमण पानी से ही होता है इसलिए आरओ का पानी या फिल्टर किया हुआ पानी या फिर अच्छी तरह उबाले गए पानी को ही ठंडा कर पीना चाहिए।
- जब भी इंजेक्शन लगवाना हो तो केवल स्टेराइल सुई या डिस्पोजेबल नीडिल का ही का उपयोग करना चाहिए।
- संक्रमित रक्त से बचाव भी जरूरी है। इसलिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन से पहले जरूरी सावधानी बरतें। परीक्षित रक्त ही ट्रांसफ्यूज करवाएं।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए क्योंकि इसका संक्रमण रोगी के संपर्क में आने से फैल सकता है।

ये सभी उपाय संक्रमण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने लिवर के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और समय रहते सही कदम उठाए, तो हेपेटाइटिस से होने वाली अधिकांश गंभीर जटिलताओं और मौतों को रोका जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

सीजनल केयर

निकिता चौहान

आयुर्वेदिक काढ़े से बढ़ेगी इम्यूनिटी

मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण कुछ लोगों को जुकाम, खांसी, स्किन पर रैशेज, दाने, लूजमोशम, बुखार आदि समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा उन लोगों के साथ ज्यादा होता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी थोड़ी वीक होती है। इसलिए यहां आपको कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बता रहे हैं, जिनका काढ़ा आप घर में ही आसानी से बनाकर पी सकते हैं, इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

गिलोयः गिलोय की तासीर एंटी-पायरेटिक होती है, जो शरीर की गर्मी को खत्म करती है और कई बीमारियों से राहत दिलाता है जैसे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आदि में गिलोय का काढ़ा राहत प्रदान करता है।

अश्वगंधाः अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मानसून में होने वाले वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

चिरायताः बारिश के मौसम में पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। जिस कारण एसिडिटी और लूज मोशन होने लगते हैं। चिरायता में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जो हमारे पेट के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

मुलेठीः मानसून में उमस के करण शरीर पर चिपचिपाहट बढ़ जाती है, जिस वजह से रैशेज और खुजली होती है। मुलेठी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

सोंठः बारिश के मौसम में पेट खराब होने के साथ, जुकाम, खांसी और बुखार आदि के मामले बढ़ जाते हैं। सोंठ में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसका काढ़ा पीने से मानसून में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

मोथा घासः मोथा घास को आयुर्वेद में बेहद लाभकारी माना गया है। यह मानसून सीजन में होने वाली खांसी, जुकाम, बुखार और स्किन से जुड़ी समस्यायों से राहत प्रदान करता है।

आमलकीः आमलकी में विटामिन-सी खूब पाया जाता हैं, जो मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करता है।

बनाने का तरीकाः यहां बताई गई सभी जड़ी-बूटियों को 30-30 ग्राम लें। सिर्फ सोंठ को 20 ग्राम ही लें। सभी को रात में पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह सभी जड़ी बूटियों को पानी में डालकर तेज आंच पर गर्म कर लें। अब काढ़ा तैयार है। फिर इसको हल्का ठंडा होने के बाद आधा गिलास सुबह और आधा गिलास शाम को पिएं। यह काढ़ा इस मौसम में रोगों से बचाव में बहुत उपयोगी है। लेकिन बेहतर होगा कि अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके ही इस काढ़े का सेवन करें। *

(आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. श्रेय शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डिजीज

अंशु सिंह

सीआरपीएस एक असामान्य लेकिन बहुत पीड़ादायक समस्या है। यह वास्तव में नर्व्स से जुड़ी समस्या है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर सही उपचार से ही रोगी को राहत मिल सकती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सीआरपीएस यह दर्द सहा न जाए

कहते हैं कि ज्यादातर दर्द कोई न कोई संदेश देता है। यह आपके शरीर की चोट के बारे में बताता है, आराम करने के लिए प्रेरित करता है। चोट ठीक होने पर धीरे-धीरे कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों में दर्द लंबे समय तक बना रहता है। कई बार तेज हो जाता है। मूल चोट के ठीक हो जाने के काफी समय बाद अपनी ही एक अलग स्थिति बना लेता है। इसे ही 'कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम' या सीआरपीएस कहते हैं, जो व्यक्ति की चाल-ढाल, संवेदना, त्वचा और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान सेठी ने इंस्टाग्राम रील में मां की हिम्मत की तारीफ की कि कैसे साल 2025 में कलाई में चोट लगने के बाद उन्हें सीआरपीएस हो गया था। फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के सेट पर चोट लगने के बाद हुई इस बीमारी ने अर्चना के हाथ पर स्थाई असर डाला।

क्या है सीआरपीएसः नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के अध्ययन के अनुसार, सीआरपीएस एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोपैथिक दर्द की बीमारी है, जिसमें चोट लगने के बाद होने वाले सामान्य दर्द की तुलना में दर्द बहुत ज्यादा रहता है। वह लंबे समय तक बना रहता है। यह दर्द को आमतौर पर जलन, चुभन या धड़कन जैसा होता है। कलाई टूटने, सर्जरी के दौरान लगे कट या मामूली मोच जैसी चीजों से शुरू होने वाली यह समस्या आगे चलकर पूरे शरीर में होने वाले गंभीर दर्द में बदल सकती है। यह दो प्रकार के होते हैं। टाइप 1, बिना किसी नर्व इंजरी के होता है जबकि टाइप 2, नर्व डैमेज की पुष्टि होने के बाद होता है।

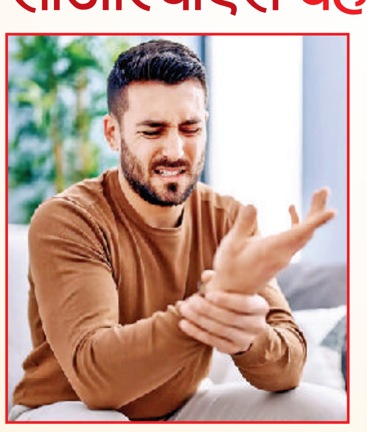

समस्या का मूल कारणः सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट **डॉ. विशाल** के अनुसार, सीआरपीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल दर्द की स्थिति है, जिसमें किसी एक अंग, हाथ या पैर, चोट, फ्रैक्चर, सर्जरी या यहां तक कि मामूली आघात के बाद लॉन्ग पीरियड फंक्शनल और सेंसरी परिवर्तन विकसित करता है। यह कहीं से हड्डियों या मांसपेशियों को होने वाली क्षति की वजह से नहीं, बल्कि दर्द संकेतों की सही व्याख्या करने में तंत्रिका तंत्र की विफलता के कारण होता है। इस स्थिति में, मूल चोट ठीक होने के बाद भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी दर्द संदेश प्रसारित करना जारी रखते हैं। इससे लंबे समय तक दर्द, कठोरता, सूजन और गति में विकृति आती है। मोटर और ऑटोनॉमिक गड़बड़ियां होने से त्वचा का रंग बदलना, तापमान में बदलाव, सूजन, पसीना आना, अकड़न, कमजोरी और संवेदना में बदलाव आम है।

सीआरपीएस के लक्षणः जलन या चीरने जैसा दर्द, जो लगातार या रुक-रुक कर होता है। ऐसी चीजों से दर्द होना, जिनसे आमतौर पर दर्द नहीं होना चाहिए, जैसे हल्का छूना, हल्की हवा या तापमान में बदलाव। ऐसी चीजों पर बहुत ज्यादा दर्द महसूस होना, जिनसे आमतौर पर सिर्फ हल्की तकलीफ होती है, जैसे सुई चुभना। प्रभावित अंग पर धब्बे दिख सकते हैं। वह लाल, नीला, पीला या बैंगनी हो सकते हैं। प्रभावित हिस्से में सूजन (एडिमा) आ-जा सकती है या बनी रह सकती है। त्वचा चमकदार और पतली हो सकती है या उस पर बहुत ज्यादा पसीना आ सकता है। प्रभावित अंग को हिलाने की क्षमता कम होना, अकड़न बढ़ना, कंपन या मांसपेशियों में ऐंठन होना।

क्या है समाधानः जहां तक सीआरपीएस के उपचार का सवाल है, तो इसमें दर्द कम करने और शरीर की हलचल बनाए रखने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी, नसों के दर्द की दवाएं और कुछ खास मामलों में दर्द कम करने वाले इंटरवेंशनल प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है। डॉ. विशाल का कहना है कि मेंटल सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक रहने वाला दर्द मानसिक रूप से बहुत परेशान करता है। हालांकि सीआरपीएस जानलेवा नहीं है, लेकिन यह जिंदगी अवश्य बदल सकता है। इसलिए बीमारी की गंभीरता के बारे में जानकारी होना जरूरी है, ताकि मरीज समय पर इलाज करवा सके। उसे कभी भी नजरअंदाज न करें। *

खबर संक्षेप

अदाणी ग्रीन एनर्जी का लाभ 19 प्रति. बढ़कर 983 करोड़

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.29 प्रतिशत बढ़कर 983 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से राजस्व बढ़ने का नतीजा है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 824 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में एजीईएल की कुल आय बढ़कर 4,663 करोड़ रुपये हो गई। जो पिछले साल इसी अवधि में 4,006 करोड़ रुपये थी।

यूको बैंक का लाभ 8 प्रति. बढ़कर 656 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 656 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 607 करोड़ रुपये था। बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि अप्रैल-जून, 2026 तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,682 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 7,433 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में बैंक की ब्याज आय बढ़कर 6,996 करोड़ रुपये हो गई है। जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 6,436 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ भी बढ़कर 2,810 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 1,562 करोड़ रुपये था।

अमेरिकी टैरिफ भारतीय जनेरिक दवा निर्यात पर डालेगा असर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा जेनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित ऊंचे शुल्क भारत के सबसे बड़े औषधि निर्यात बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, इसका असर सभी उत्पादों पर एक समान नहीं पड़ेगा। आर्थिक शोध संस्था जीटीआरआई ने बुधवार को यह आकलन पेश किया। ये ऐसी सस्ती दवाएं होती हैं जिनमें ब्रांडेड दवाओं जैसा ही सक्रिय घटक, मात्रा और प्रभाव होता है लेकिन इन्हें पेटेंट समाप्त होने के बाद आमतौर पर कम कीमत पर बेचा जाता है।'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में सात से दस गुना सस्ती होती हैं।

अतिरिक्त लागत का बोझ मरीजों पर डाला जा सकता है

ऐसे में 100 प्रतिशत शुल्क लगने के बाद भी कई उत्पाद सस्ते बने रह सकते हैं। अतिरिक्त लागत का बोझ अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, बीमा कंपनियों और मरीजों पर डाला जा सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''अधिक दबाव उच्च मूल्य वाली जेनेरिक फॉर्मूलेशन और ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं पर पड़ सकता है। इन श्रेणियों में अमेरिका के भीतर उत्पादन व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ष हो सकता है।''

आर्थिक शोध संस्था जीटीआरआई ने पेश किया आकलन

भारत को अमेरिका पर निर्भरता घटाना होगा

श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि भारत को अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर यूरोप, लातिनी अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में निर्यात बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि एक अगस्त से दो वर्षों तक जेनेरिक दवाओं पर शून्य शुल्क रहेगा। इसके बाद एक वर्ष के लिए शुल्क 100 प्रतिशत और फिर 200 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा।

अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा औषधि निर्यात बाजार

इस तरह अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा औषधि निर्यात बाजार है। भारतीय कंपनियां अमेरिका में वितरित जेनेरिक नुस्खों के करीब 47 प्रतिशत की आपूर्ति करती हैं जबकि मूल्य के हिसाब से हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है।

भारत के निर्यात का 37.7 फीसदी हिस्सा अमेरिका को गया

अमेरिका ने 2025 में 213 अरब डॉलर के औषधि उत्पाद आयात किए, जिनमें 94.1 अरब डॉलर की तैयार दवाएं शामिल थीं। जेनेरिक दवाओं का अलग से सटीक आकलन उपलब्ध नहीं है क्योंकि उन्हें एचएस कोड 3004 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। भारत ने पिछले साल 25.8 अरब डॉलर के औषधि निर्यात किए, जिनमें से 9.7 अरब डॉलर यानी 37.7 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को गया।

भारत की कई विनिर्माण इकाइयां अमेरिका में

भारतीय दवा कंपनियों सन फार्मा, जायडस लाइफसाइंसेज, ल्यूपिन, अरबिंदो फार्मा, सिप्ला और डॉ रेड्डीज की अमेरिका में विनिर्माण इकाइयां हैं। अमेरिका के अलावा भारत के प्रमुख औषधि निर्यात बाजारों में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, ब्राजील, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, रूस, फिलीपींस और केन्या शामिल हैं।

केंद्रीय बैंक ने कहा, बाहरी अनिश्चितताओं का बखूबी सामना

विदेशी निवेश की वापसी अर्थव्यवस्था पर भरोसा बढ़ने के संकेत: आरबीआई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय अर्थव्यवस्था ने बाहरी अनिश्चितताओं का बखूबी सामना किया है और हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार से भरोसा लौटने का संकेत मिलता है। भारतीय रिजर्व बैंक के बुधवार को जारी बुलेटिन में यह कहा गया। केंद्रीय बैंक के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि दुनिया में अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में काफी अनिश्चितता बनी हुई है।

हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार आया है

लेख के अनुसार, ''इन अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और जून तक आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनाए रखने में कामयाब रहा है। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के संकेतक मजबूत बने रहे।''

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में एक

खाद्यान्न भंडार संतोषजनक स्तर पर

खाद्यान्न भंडार संतोषजनक होने से खाद्य महंगाई पर इसका प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित रह सकता है। इसमें कहा गया कि 2026-27 की पहली तिमाही में निर्यात और आयात में हुई अच्छी वृद्धि से पता चलता है कि विदेश व्यापार की रफ्तार बनी रही। भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के लागू होने तथा अन्य द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में हो रही प्रगति से देश की आर्थिक गतिविधियों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ने के संकेत

लेख में लिखा गया, ''भारत के बाह्य क्षेत्र से जुड़े जोखिम संकेतक मजबूत बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ने के संकेत मिलते हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बीते महीने शुद्ध रूप से निवेश किया। इसका कारण बॉन्ड बाजार के लिए नीतिगत समर्थन और वैश्विक स्तर पर तनाव में कमी है।

एफपीआई ने 20 जुलाई तक 3.1 अरब डॉलर का किया निवेश

एफपीआई ने इक्विटी और बॉन्ड बाजार में जुलाई में (20 जुलाई तक) कुल 3.1 अरब डॉलर का निवेश किया। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल और शुद्ध, दोनों आधार पर बढ़ा। इस दौरान जापान, सिंगापुर और मॉरीशस से कुल इक्विटी निवेश का लगभग 74 प्रतिशत प्राप्त हुआ। वित्तीय सेवाएं, विनिर्माण, खुदरा एवं थोक व्यापार तथा कंप्यूटर सेवाएं सबसे अधिक निवेश आकर्षित करने वाले क्षेत्र रहे।

पहली बार महंगाई आरबीआई के चार प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर

लेख के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी निवेश का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका, केमैन आइलैंड और नीदरलैंड में गया। इसमें वित्तीय, बीमा एवं व्यावसायिक सेवाओं तथा विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत से अधिक रही। कीमत स्थिति के बारे में इसमें कहा गया है कि जून, 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई बढ़कर 18 महीने के उच्च स्तर 4.4 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.9 प्रतिशत थी। जनवरी, 2025 के बाद यह पहली बार आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर पहुंची है।

सोना दो सप्ताह के उच्च स्तर पर, चांदी 8,500 रुपए मजबूत

सोना 1900 रुपए उछलकर 1.49 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
चांदी सुधार के साथ बढ़कर 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में 1,900 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह दो सप्ताह के उच्च स्तर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसकी वजह मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक बाजारों में मजबूती का रुख रही।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,900 रुपये बढ़कर 1,49,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। मंगलवार को यह 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सात जुलाई को स्थानीय बाजार में सोने की कीमत 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं।

लगातार छह सत्रों की गिरावट के बाद चांदी में सुधार हुआ और इसकी कीमत 8,500 रुपये बढ़कर 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। पिछले सत्र में यह 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी बाजार में मजबूत कीमतों, फिर से बढ़ी हाजिर मांग और पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद निचली कीमत पर लिवाली बढ़ने के कारण सोने में लगातार तीसरे सत्र में तेजी बनी रही।

सोना हाजिर के मांग में सुधार

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को वैश्विक बाजार से मिले सकारात्मक संकेतों के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई और हाजिर मांग में सुधार आने के बाद कीमतें दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गईं।''

वैश्विक बाजार में चांदी में उछाल

वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोने की कीमत 47.43 डॉलर या 1.16 प्रतिशत बढ़कर 4,125.24 डॉलर प्रति औंस हो गई और चांदी की कीमत लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 59.32 डॉलर प्रति औंस हो गई।

इटर्नल का लाभ चार गुना बढ़कर 92 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली कंपनी इटर्नल लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग चार गुना होकर 92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 25 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 20,211 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 7,167 करोड़ रुपये थी।

राशिफल

मेष – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह – कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या – परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु – कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ – तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

कच्चे तेल के दाम में तेजी से सेंसेक्स 715 अंक लुढ़का, निफ्टी भी टूटा

दोनों मानक सूचकांक में लगातार तीसरे दिन रही गिरावट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। कच्चे तेल के दाम में तेजी और बैंक शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 715 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 191 अंक की गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 828.92 अंक लुढ़क कर 76,641.19 अंक पर आ गया था। इसी तरह निफ्टी 191.45 टूटकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.33 प्रतिशत लुढ़का जबकि

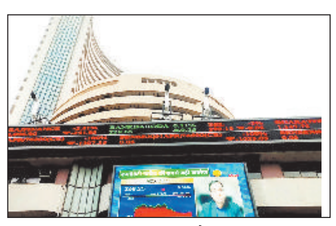

छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1.16 प्रतिशत नीचे आया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और हूती समूह के दुनिया के महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को बाधित करने से तेल की आपूर्ति प्रभावित होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं और रुपया कमजोर हुआ है। जिसके चलते घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।''

रुपया 34 पैसे टूटकर 96.59 प्रति डॉलर पर

बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के दबाव में रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे टूटकर 96.59 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की धारणा और घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की भावना को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.36 प्रति डॉलर पर खुला।

इन शेयरों में रहा नफा-नुकसान

सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट आई। वहीं लाभ में रहने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और टाइटन बढ़त बनाने वाली कंपनियों में शामिल रहे। वैश्विक तेल मानक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 4.68 प्रतिशत चढ़कर 95.27 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

पूरे सत्र में बिकवाली का दबाव रहा

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''कच्चे तेल के दाम में तेजी और पश्चिम एशिया में लगातार तनाव बने रहने के कारण निवेशकों के जोखिम लेने से बचने की धारणा से घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। मानक सूचकांक पर पूरे सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा।

श्रीलंका ने मुद्रास्फीति बढ़ने के बावजूद ब्याज दर रखी यथावत

कोलंबो। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर को 8.75 प्रतिशत पर यथावत रखा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद वैश्विक अनिश्चितता और जिंस कीमतों पर उसके असर का हवाला देते हुए मुद्रास्फीति बढ़कर 6.8 प्रतिशत पर पहुंचने के बावजूद यह फैसला किया गया।

केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के कारण वैश्विक जिंस कीमतों, विशेषकर पेट्रोलियम की कीमतों में वृद्धि हुई है। बैंक ने कहा, ''इन घटनाक्रमों से वैश्विक आर्थिक संभावनाएं प्रभावित होने की आशंका है और इसके विभिन्न माध्यमों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।'' बयान के अनुसार, जून में मुद्रास्फीति बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई। घरेलू स्तर पर ऊर्जा एवं खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण निकट भविष्य में इसके पांच प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बने रहने की संभावना है।

नीतिगत ब्याज दर को 8.75 प्रतिशत पर बरकरार रखा

बैंक ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति में भी वृद्धि होने तथा इसके समग्र मुद्रास्फीति लक्ष्य के आसपास बने रहने का अनुमान है। बयान में कहा गया, ''अप्रैल, 2026 से चालू खाते में घाटा दर्ज किया गया है।

नेस्ले का लाभ 48 फीसदी बढ़कर 958 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 48.26 प्रतिशत बढ़कर 958.68 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 646.59 करोड़ था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उत्पादों की बिक्री से नेस्ले इंडिया का राजस्व 25.4 प्रतिशत बढ़कर 6,363.27 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 5,073.96 करोड़ रुपये था।

पाक ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर की सहायता मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से 10 अरब डॉलर की मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा (एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी) को अक्सर अमेरिकी वित्त मंत्रालय के वित्तीय सहायता तंत्र 'एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन फंड' के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें मुद्रा अदला-बदली, वित्तीय गारंटी और ऋण जैसी व्यवस्थाएं शामिल होती हैं। समाचार पत्र 'डॉन' ने बुधवार को खबर दी कि उसे इस अनुरोध की पुष्टि वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान के दूतावास से हुई है। हालांकि, दूतावास ने इस संबंध में कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की।

- पाक ने मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

शब्द पहेली - 6295

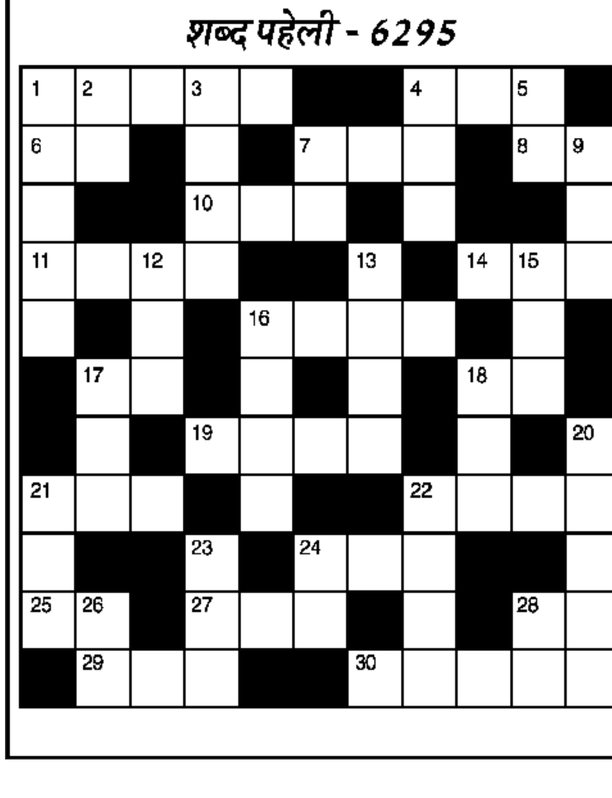

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 6294 का हल

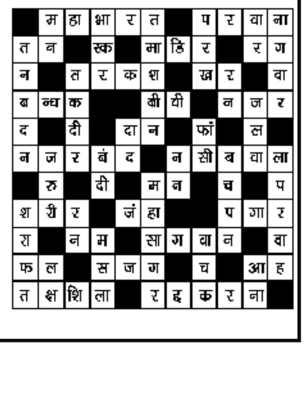

सूडोकु नवताल - 6305

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6304 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की कॉलोनियों में लाखों रुपए का मेंटेनेंस शुल्क बकाया

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के बहुमंजिला भवन हिमालयन हाईट्स, डूमरतराई एवं बोरियाकला कॉलोनियों में हितग्राहियों द्वारा लैंड मेंटेनेंस चार्ज, कॉमन मेंटेनेंस चार्ज और जल प्रभार का नियमित भुगतान नहीं किए जाने से कॉलोनियों के रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

हिमालयन हाईट्स, डूमरतराई कॉलोनी में करीबन 800 आबंटित भवनों के विरुद्ध 197 हितग्राहियों से करीबन 185.35 लाख रुपए की मेंटेनेंस शुल्क राशि बकाया है। इनमें से 1.50 लाख से अधिक के 13 रहवासी,1 लाख से रु.1.50 लाख के 50 रहवासी,50 हजार से रुपए 1 लाख के 130 रहवासी तथा 50 हजारपए तक के 4 रहवासी की बकाया राशि लंबित है। इसी प्रकार बोरियाकला कॉलोनी में लगभग 4,155 आबंटित भवनों के विरुद्ध 1716 हितग्राहियों से करीबन 345.20 लाख रुपए की मेंटेनेंस शुल्क राशि बकाया है। इनमें से 1.50 लाख रुपए से अधिक के 1 रहवासी, 1.00 लाख रुपए से 1.50 लाख के 5 रहवासी, 50 हजार रुपए से 1 लाख के 216 रहवासी तथा 50 हजार रुपए तक के 1494 रहवासी की बकाया राशि लंबित है।

मंडल द्वारा कॉलोनियों में सड़कों, नालियों, उद्यानों, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य रखरखाव कार्यों पर नियमित व्यय किया जाता है। इन कार्यों के लिए आवश्यक राशि एल.एम.सी., सी.एम.सी. एवं जल प्रभार के माध्यम से प्राप्त होती है। निर्धारित शुल्क समय पर जमा नहीं होने से इन आवश्यक सेवाओं के संचालन एवं रखरखाव पर वित्तीय दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। विशेष रूप से लिफ्टों के नियमित संचालन एवं रखरखाव, विद्युत देयकों के समय पर भुगतान तथा कॉलोनियों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों के सुचारु संचालन में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। बकाया राशि की वसूली के लिए प्रक्षेत्र रायपुर के संबंधित संभाग कार्यालय द्वारा सभी बकायादार हितग्राहियों को नोटिस जारी कर बकाया मेंटेनेंस शुल्क, एलएमसी., सीएमसी एवं जल प्रभार की राशि शीघ्र जमा करने अनुरोध किया गया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र रायपुर के अपर आयुक्त एस.के. भगत नेबकायादार हितग्राहियों से अपील की है कि वे एलएमसी, सी.एम.सी. एवं जल प्रभार की बकाया राशि शीघ्र जमा कर मंडल को कॉलोनियों के सुचारु रखरखाव, लिफ्ट संचालन, स्वच्छता व्यवस्था तथा बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नक्सल खात्मे के ...

विजेता, 50 परगना मांझी, 15 चालकी, दो पद्मश्री सम्मानित व्यक्तित्व तथा 22 जिला स्तरीय नोडल अधिकारी और सहयोगी दल शामिल होंगे। यह समूह 28 जुलाई को रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना होगा। 30 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट और उनके साथ भोज होगा। इसके बाद 1 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से लौटेगा और 2 अगस्त को रायपुर पहुंचेगा।

विकास, विश्वास और सम्मान की साझेदारी –
सरकार इस पहल को बस्तर में चल रहे विकास और विश्वास के अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव मान रही है। वर्षों तक संघर्ष और हिंसा की छाया में रहे इलाके के पारंपरिक आदिवासी नेतृत्व और प्रतिभाशाली युवाओं को देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान में सम्मान देना इस बात का संकेत है कि अब बस्तर की पहचान बंदूक नहीं, बल्कि संस्कृति, खेल, नेतृत्व और उपलब्धियों से बनेगी। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों ने पिछले वर्षों में हजारों युवाओं को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा है। अब उन्हीं प्रतिभाओं को राष्ट्रपति भवन तक पहुंचाकर यह संदेश दिया जा रहा है कि लोकतंत्र की सबसे ऊंची चौखट तक उनकी भी बराबर की भागीदारी और पहुंच है।

क्या है बस्तर पंडुम...

वाला प्रतिनिधिमंडल भी इसी आयोजन के विजेता प्रतिभागियों और पारंपरिक आदिवासी प्रतिनिधियों से मिलकर बना है।

दिल्ली भ्रमण करेगा...

प्रतिभागियों को देश की राजधानी, लोकतांत्रिक संस्थाओं और राष्ट्रीय धरोहरों से भी परिचित कराना है। इससे विशेषकर युवाओं और बस्तर पंडुम के विजेताओं को व्यापक राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम के अलावा प्रतिनिधि मंडल को राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने...

नहीं देखना चाहते। वकील के छात्रों की पिटाई की बात दोबारा कहने और वीडियो का हवाला देने पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमारा समय बर्बाद मत कीजिए। हम कोई वीडियो नहीं देखना चाहते। यह याचिका सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई से संबंधित है। उस दिन हजारों छात्र और युवा प्रदर्शनकारी परीक्षा अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए मध्य दिल्ली में एकत्र हुए थे। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी। संसद की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले छोड़े थे।

बार एसोसिएशन ने कहा- लाठीचार्ज की जांच हो –
सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस कार्रवाई में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। इस घटना की तुरंत, निष्पक्ष और समय से जांच होनी चाहिए। जिम्मेदार लोगों की पहचान और उन पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

क्या है मामला–
कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को संसद मार्च निकाला था। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़े थे, इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी और छात्रों को चोटें आई थीं।

हाईकोर्ट ने केंद्र और पुलिस से जवाब मांगा–
दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र और दिल्ली पुलिस से उन दो याचिकाओं पर जवाब मांगा जिनमें आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को 'संसद की तरफ मार्च' के दौरान प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से अधिक बल का प्रयोग किया गया। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सभी जरूरी रिकॉर्ड सुरक्षित रखें, जिसमें सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और अन्य वीडियोग्राफी शामिल हैं। पीठ ने जनहित याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और अधिकारियों को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। अदालत ने आदेश दिया, प्रतिवादियों की ओर से चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए।

अग्निवीरों को सिपाही...

और रबी सीजन में किसानों को समय पर खाद-उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति के गठन को भी मंजूरी दी गई।

डिप्टी सीएम सहित...

आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों के अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर सकेगी तथा उर्वरकों की उपलब्धता एवं आपूर्ति से संबंधित विषयों पर राज्य शासन को सुझाव देगी।

अग्निवीरों को आरक्षण...

तथा जेल विभाग में प्रहरी की सीधी भर्ती में अग्निवीर सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के अग्निवीर सैनिकों के लिए राज्य की सिविल सेवाओं में तृतीय श्रेणी के पदों में रिक्तियों का आरक्षण नियम-2026 बनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

कहीं एडमिशन के...

में वर्ष 2023-24 में शुरू हुए माना और अम्लीडीह के शासकीय महाविद्यालय तथा वर्ष 2019 में स्थापित नया रायपुर सेक्टर-28 स्थित शासकीय महाविद्यालय सबसे अधिक प्रभावित हैं। माना कॉलेज में बीए, बीकॉम, बीएससी गणित और बीएससी कंप्यूटर साइंस संचालित हैं, लेकिन बीएससी गणित और कंप्यूटर साइंस में अब तक एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है। बीए और बीकॉम को मिलाकर महज 15 दाखिले हुए हैं।
अम्लीडीह कॉलेज में बीए, बीबीए और बीसीए की 60-60 तथा बीकॉम की 90 सीटें हैं, लेकिन सभी पाठ्यक्रमों को मिलाकर अब तक केवल 40 प्रवेश हुए हैं। नया रायपुर महाविद्यालय की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। स्थापना के छह वर्ष बाद भी यहां बीए और बीकॉम में प्रवेश संख्या दहाई तक नहीं पहुंच सकी है। बड़े सरकारी कॉलेजों में जहां दो पालियों में कक्षाएं चल रही हैं, वहीं इन कॉलेजों में एक पाली के बाद ही परिसर सूना हो जाता है। वर्तमान में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से 159 महाविद्यालय संबद्ध हैं, जिनमें 68 शासकीय और तीन स्वायत्त महाविद्यालय शामिल हैं।

अंबिकापुर में सात...

में अभी तक नियमित व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं हुई है और हर वर्ष लगभग 15 अतिथि व्याख्याता नियुक्त किए जाते हैं। इस हिसाब से औसतन सात-आठ विद्यार्थियों पर एक अतिथि व्याख्याता उपलब्ध है। अधिकारियों का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम स्थिति इसके बाद स्पष्ट होगी।

कोरबा में यही हाल...

आदर्श कॉलेज में केवल 35 छात्र अध्ययनरत हैं, जबकि छह अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। स्वामी आत्मानंद कॉलेज में करीब 150 विद्यार्थी हैं। रामपुर, उमरेली और जटगा सहित अन्य कॉलेजों में भी छात्र संख्या उम्मीद से काफी कम है। जटगा कॉलेज में नियमित प्राचार्य और प्राध्यापकों की नियुक्ति हो चुकी है, लेकिन वहां भी प्रवेश संख्या 100 तक नहीं पहुंच सकी है।

स्टूडेंट और मरीज...

दिया गया है। इनमें से कुछ की योग्यता एमबीबीएस की है और कुछ पीजी के बाद सीनियर रेसीडेंट के रूप में काम कर रहे थे।
पुराने मेडिकल कालेजों में सेटअप के मुताबिक तमाम फैकल्टी की व्यवस्था सालो बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए इस साल अस्तित्व में आने वाले पांच नए चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षक का इंतजाम टेढ़ी खीर बनता नजर आ रहा है। इन कालेजों में अगले माह से एडमिशन शुरू होगा मगर चिकित्सा छात्रों को पढ़ाने वाले डाक्टर योग्य नहीं होंगे। एनएमसी के मापदंड को पूरा करने के लिए कालेज प्रबंधन (प्रभारी डीन एवं चिकित्सा अधीक्षक) फैकल्टी के इंतजाम के लिए जोड़तोड़ में जुटे हुए हैं। जांजगीर-चांपा में संचालित होने वाले 17 विभागों में प्रभारी अधिकारी (एचओडी) की नियुक्ति इसी वजह से सुर्खियों में आ गई है। जारी आदेश में जिन डाक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है उसमें से ज्यादातर एनएमसी के मापदंड को पूरा नहीं कर रहे हैं। कुछ डाक्टर एमबीबीएस की डिग्री के आधार पर इन सर्विस और कुछ एनएचएम में सेवा के बाद कालेज तक पहुंचे और उन्हें विभाग की जिम्मेदारी दे दी गई है।

एक और आदेश चर्चा में-बिना एलोपैथी डाक्टर के दंतेवाड़ा में स्वशासी समिति–
जांजगीर मेडिकल कालेज के साथ दंतेवाड़ा में खुलने वाले कालेज की स्वशासी समिति का मनोनयन भी चर्चा का बिंदु बन गया है। समिति में तीन जनप्रतिनिधि, दो फार्मासिस्ट और एक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी को शामिल किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि संचालित होने वाले नए मेडिकल कालेज के बारे में फैसला लेने वाली इस समिति में एक भी एलोपैथी डाक्टर को शामिल नहीं किया गया है।

असिस्टेंट बनेंगे एसोसिएट प्रोफेसर, डीपीसी हुई–
आने वाले दिन में शासकीय मेडिकल कालेजों में एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्ति होने की संभावना बढ़ गई है। परिवीक्षा अवधि पूरी करने वाले करीब साठ असिस्टेंट प्रोफेसर को पदोन्नति का लाभ दिया जाएगा। मंगलवार को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में इन नामों पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार वर्ष 2021 बैच के चिकित्सा शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। पदोन्नति की प्रतीक्षा में वर्ष 2022 बैच के सहायक प्राध्यापक भी है। एसोसिएट प्रोफेसर बनने के बाद यह डाक्टर पांचों नए मेडिकल कालेज के साथ अन्य महाविद्यालयों की कमी दूर करेंगे ।

बस्तर में बंबू राफ्टिंग,...

पानी का बहाव कई गुना बढ़ जाने के कारण इन गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगाई गई है। चित्रकोट में मॉनसून के दौरान इंद्रावती नदी विकराल रूप ले लेती है और पानी का बहाव बेहद खतरनाक हो जाता है, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्यटकों को झरने के पास जाने और बोटिंग करने से सख्त मनाही है। बोटिंग भले ही बंद हो, लेकिन बारिश के दिनों में जलप्रपात अपने पूरे शबाब पर होता है और इसका विहंगम दृश्य पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है। इसी तरह तीरथगढ़ जलप्रपात भी शबाब पर है, दोनों प्रपातों में रोज लगभग 200-250 से अधिक पर्यटक पहुंच रहे हैं।
खेती में जुटे युवक– कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत मांझीपाल बंबू राफ्टिंग, कयाकिंग ईको समिति के बालसिंह ने बताया कि बारिश में अप्रिय घटना से बचने के लिए बंबू राफ्टिंग कयाकिंग, बोटिंग पर रोक है। इससे समिति के युवक रोजी रोटी के लिए खेती में जुटे हुए हैं। हालांकि पर्यटक पहुंच रहे है, लेकिन बंद होने से वापस जा रहे हैं। **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की गुफाएं बंद–** कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक नवीन कुमार ने बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान कोटमसर गुफा, कैलाश गुफा, अन्य सभी गुफा स्थलों को पर्यटन गतिविधियों के लिए बंद रखा गया है। वर्षा ऋतु में गुफाओं के भीतर जलभराव, फिसलन एवं अन्य संभावित जोखिमों को देखते हुए बंद किया गया है।

उफान पर नदी,...

सोंढुर जलाशय में भी बारिश के कारण नौकायन बंद है। मैनपुर से महज 25 कि.मी. दूर सोंदूर जलाशय में नौका विहार एवं मैनपुर से 18 किमी दूर देवदहरा कुल्हाड़ीघाट नदी में कायकिंग करने भारी हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है क्योंकि पूरे गरियाबंद जिले में नौका विहार की सुविधा और कहीं नहीं है। **क्या कहते हैं उपनिदेशक** – उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन ने बताया कि अभी बारिश को देखते हुए आगामी कुछ दिनों के लिए कायकिंग और नौकाविहार को बंद किया गया है।

केलो डेम लबालब,...

ने अब जाकर राहत की सांस ली है। इस साल बारिश ने किसानों का धोखा दे दिया है। जून में बारिश बिल्कुल नहीं हुई है। जैसे ही आषाढ़ लगा है वैसे ही दो दिन तक बारिश हुई। इसके बाद करीब 15 दिन फिर थम गई थी। 20 जुलाई की रात से बारिश चालू हुई है। आज भी रुक-रुककर दिन भर बारिश हुई है। लगातार हो रही बारिश के कारण केलो डेम लबालब हो चुकी है। जलभराव को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने चार गेट खोल दिया है। इससे केलो नदी अपनी पूरी वेग से बह रही है। केलो नदी के उफान पर आने से निचली बस्तियों में पानी भरने का खतरा बढ़ जाता है। इसके पहले 20 जुलाई की रात हुई बारिश से शहर के दर्जन भर मोहल्लों के घरों में पानी भर गया था। काफी मशक्कत के बाद पानी निकासी की व्यवस्था की गई है। इसके बाद लोगों को राहत मिली है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ऑफिस में महिला/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (41455)

आवश्यकता है- अनुभवी, जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है SUV एवं Sedan (ऑटोमैटिक) वाहन चलाने का अनुभव आवश्यक। योग्यता- वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं अच्छा ड्राइविंग रिकॉर्ड। वाहन की साफ, सफाई, नियमित देखभाल का ज्ञान। घरेलू एवं कार्यालय संबंधी कार्य, जैसे बाजार से सामान लाना, घर के कार्य तथा अन्य आवश्यक जिम्मेदारियाँ निभाने में सक्षम, ईमानदार, जिम्मेदार, विनम्र, समय का पाबंद। आकर्षक वेतन एवं अन्य सुविधाएँ। सम्पर्क करें- 9131312593 (41481)

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में चौकीदार एवं पुस्तक दुकान में कार्य हेतु युवक चाहिए (ड्राइविंग लाइसेंस हो) वेतन 9000 पता- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 (41480)

आवश्यकता है- नौकरी का सुनहरा अवसर! सकरी, बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में ऑफिस बॉय (किचन स्टाफ) चाहिए। चाय, नाश्ता एवं ऑफिस किचन कार्य अनुभव वांछनीय। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- 9589000680 (41483)

आवश्यकता है- यूपीवीसी एवं सिस्टम विंडो की बिक्री हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव चाहिए। वेतन अनुभव अनुसार+ इंसेंटिव। यूपीवीसी, मॉड्यूलर किचन, प्लाईवुड, फर्नीचर, हार्डवेयर, बिल्डिंग मटेरियल क्षेत्र के अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 6260435141 (41482)

आवश्यकता है-सिद्धि विनायक सिक्योरिटी सर्विसेज राजेन्द्र नगर, बिलासपुर में सुरक्षा टीम सुरक्षागार्ड सुपरवाईजर फील्ड ऑफिसर, ऑफिस कार्य- कम्प्यूटर ई-टेंडरिंग, इंग्लिश में दक्ष कुशल स्टाफ अनुभवी माली चाहिए सम्पर्क करें- 9111175190 9098318675 (41464)

आवश्यकता है- झाड़ू पोछा, सफाई, वेटर कार्य 18वर्ष से ऊपर कर्मचारी/ मेहनती कार्य हेतु लड़के चाहिए वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना निशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898 (41440)

आवश्यकता है- कार्टून पैकिंग एवं दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवक/युवती एवं बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है संपर्क करें मालिकराम मेडिकल एजेंसी तेलीपारा बिलासपुर (41478)

आवश्यकता है- घरेलू गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए वेतन- 18000, समय सुबह 8बजे से रात 8बजे। रविवार को भी अवकाश नहीं दिया जाएगा। छुट्टी लेने पर 800/- प्रतिदिन कटौती होगी। सम्पर्क- 70496 20000 (41479)

आवश्यकता है- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर में सेल्स के लिए अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क 9826663999 (41467)

आवश्यकता है- अनुभवी इंडियन/ चाइनीज/ तन्दूर शैफ डिलिवरी ब्वॉय एवं होटल में किचन तथा काउंटर संभालने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- करबला रोड बिलासपुर 7869586011, 9329233000 (41475)

आवश्यकता है- कृष्णा मल्टीस्पेशलिटी डेन्टल क्लीनिक में महिला स्टाफ की आवश्यकता है (अनुभवहीन को शुरुआती वेतन 5000 होगा) जरूरतमंद लड़कियां सम्पर्क करें- सिम्स गेट नम्बर 3 के सामने, प्रिन्स कॉम्प्लेक्स, बिलासपुर 9617773900 (41468)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड- 17000 सुपरवाइजर- 18000 फील्ड अधिकारी- 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर- 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय 06 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 7747000019, 7746000019 (891)

आवश्यकता है- पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन, अनुभवी कार ड्राइवर बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 3 से शाम 5बजे, निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी क्लीनिक, जूनी लाइन, बिलासपुर 7869911027 (41472)

आवश्यकता है- बच्चो, मरीजों, बुजुर्गों की देखभाल आल राउण्डर कुक चौकीदार आया ड्राइवर हाउस कीपिंग वेटर, एक पद प्यून पहली से 8वीं तक पढ़ाने हेतु शिक्षक पता- शर्मा केयर टेकर्स बिलासपुर 7024477656 (41466)

आवश्यकता है- शिवांगी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड में कम्प्यूटर डाटा एंट्री ऑपरेटर युवक/ युवती चाहिए (टैली, MS, एक्सल अनुभवी हो) अनुभव 5-7वर्ष, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 11बजे से शाम 6बजे तक 8602512374 (41470)

आवश्यकता है- 3 कार 8 बाईक को डेली वॉश करवाना है। शांती नगर रिंग रोड 2 में जिसे कार वॉश का अनुभव हो। संपर्क करे सुनील 97533 30000 (41473)

Requirment- Site Engineer cum Quality Control Engineer and Safety Officer each one no for NTPC Lara Raigarh Contact- No. whats App 62605 74796, 7803080551 (41465)

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर जानकार महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। कार्य समय सुबह 9:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक, वेतन- 6000 सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार, अशोक नगर, सरकंडा बिलासपुर 9827110908 (41477)

आवश्यकता है- मोटर पार्टस दुकान में कार्य हेतु 10वीं, 12 वीं पास लड़का चाहिए। (जूना बिलासपुर गांधी चौक, शिव टाकिज चौक भगर पारा, मन्दिर चौक का रहने वाला हो) सम्पर्क करें- 8927400000 (41469)

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

आवश्यकता है-कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए टाइपिस्ट को प्राथमिकता वेतन 7000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस, डीपी कॉलेज के सामने, बिलासपुर 9827079947 (41463)

आवश्यकता है- Hotel The Tayal में फ्रंट ऑफिस हेतु स्मार्ट, विनम्र लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता- 12वीं ग्रेजुएट, कार्य समय- 10घंटे सम्पर्क- Hotel The Tayal, सीपत रोड, राजकिशोर नगर, बिलासपुर 7987498938 (41476)

फायनेंस

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा सम्पर्क करें-7988465321,79884 65321 (048)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

फाइनेन्स - विनायिका फाइनेन्स कम्पनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन, आधार कार्ड पर 40000 से 50लाख तक 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 7489545029 (4401)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polyte-chnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

टॉप-5 की जंग में भारत, मुक्केबाजी-एथलेटिक्स से पदकों की आस

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

भारत के लिए पिछले दो दशक से राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच में रहने का सिलसिला कायम रखना इस बार स्पर्धाओं में कटौती के कारण मुश्किल हो सकता है लेकिन मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में अच्छे पदक आने की उम्मीदें है। पिछले तीन दशक में यह सबसे छोटे राष्ट्रमंडल खेल हैं, जिनमें लागत में कटौती के कारण चार स्थानों पर सिर्फ दस खेलों की स्पर्धाएं होंगी और 74 देशों के करीब 3 हजार खिलाड़ी जोर आजमाइश करेंगे। ओवो हाइड्रो पर गुरुवार को उद्घाटन समारोह के जरिए इन खेलों की औपचारिक शुरुआत होगी। इनमें से छह खेलों में पैरा खेलों की स्पर्धाएं भी साथ में होंगी।

2002 के बाद भारत रहा शीर्ष पांच में

भारत मैनचेस्टर में 2002 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से हर बार शीर्ष पांच में रहा है। इस बार हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और निशानेबाजी के नहीं होने से यह कर पाना मुश्किल लग रहा है। बर्मिंघम में इन्हीं खेलों में भारत के 61 में से लगभग आधे पदक आए थे। ऐसे में अब एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन पर जिम्मेदार आन पड़ी है।

आज से कॉमनवेल्थ गेम्स, 74 देशों के 3 हजार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

भारोत्तोलन में नजरें मीराबाई चानू पर

भारोत्तोलन में नजरें ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पर लगी होंगी। मणिपुर की 31 वर्ष की चानू पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। भारोत्तोलन में भारत के 11 खिलाड़ी ही भाग लेंगे क्योंकि राष्ट्रीय शिविर में कई खिलाड़ी डोप टेस्ट में नाकाम हुए हैं, जिससे भारत की पदक की उम्मीदें कम हो गई हैं। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतना चाहेंगी। वहीं 57 किलो में विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया बर्मिंघम में जीते कांसे को स्वर्ण में बदलने को उत्सुक होंगी।

एथलेटिक्स में भारत के 32 खिलाड़ी करेंगे जोरआजमाइश

भारत ने एथलेटिक्स में 32 सदस्यीय दल उतारा है जो 22 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। इसकी अगुवाई दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा करेंगे। वह इस बार पदक के प्रबल दावेदार के रूप में नहीं बल्कि चैलेंजर के रूप में उतरेंगे। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पुरुषों के भालाफेंक में प्रबल दावेदार हैं, जिन्होंने पिछले महीने रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंककर सनसनी फैला दी थी। पेरिस ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम भी दौड़ में हैं लेकिन चोपड़ा भी दावेदारों में से है।

एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं : कुजूर

अनिमेष कुजूर को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि भारत के सबसे तेज धावक का तमगा अब गुरिंदरवीर सिंह के पास चला गया है, बल्कि 200 मीटर दौड़ का यह राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी चाहता है कि आगामी राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में उनका प्रदर्शन ही सब कुछ बयां करे। इस साल की शुरुआत में ओडिशा में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसके बाद कुजूर से अक्सर यह पूछा जाता रहा है कि क्या वह यह खिताब वापस हासिल करेंगे। जब कुजूर से भारत के सबसे तेज धावक का तमगा वापस पाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बस एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'हां, बस एशियाई खेलों तक इंतजार कीजिए। फिर हम दोबारा बात करेंगे।'

खबर संक्षेप

यॉर्कशर के लिए खेलेंगे कुलदीप यादव

लीड्स। भारत की एकादश में बार-बार अनदेखी किए जाने के बाद बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने शीर्ष इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर के लिए मौजूदा सत्र में 8 मैच खेलने का करार किया। यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर घोषणा की, 'यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्पिनर कुलदीप यादव के साथ विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

अपने गांव में मुक्केबाजी अकादमी खोलेंगे विजेंदर

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज मुक्केबाज विजेंदर सिंह अब हरियाणा में अपने पैतृक गांव में एक ट्रेनिंग अकादमी बनाकर कोचिंग की दुनिया में कदम रखना चाहते हैं और उन्होंने इस परियोजना के लिए खेल मंत्रालय से मदद मांगी है ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले पूर्व मुक्केबाज ने कहा कि उनका प्रस्ताव मंत्रालय के पास है मंत्रालय 'राष्ट्रीय खेल विकास कोष' के जरिए मदद देने का फैसला करने से पहले प्रस्ताव की बारीकी से जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हां, मैं अपनी मुक्केबाजी अकादमी खोलने की योजना बना रहा हूं।

वनडे कप्तानी हटे शाहिदी खेलेंगे आयरलैंड सीरीज

काबुल। अनुभवी बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी ने अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है लेकिन वह बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। 31 वर्ष के शाहिदी 2022 की शुरुआत में वनडे टीम के कप्तान बने थे और 2023 वनडे विश्व कप तथा 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के कप्तान रहे। वह अफगानिस्तान की टेस्ट टीम के भी कप्तान हैं। आज मैं पूरे सम्मान और सहमति से निजी कारणों की वजह से अपनी टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे रहा हूं। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने 2023 विश्व कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान , श्रीलंका और नीदरलैंड को हराया।

अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का सुनहरा मौका

3 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच आज शाम 4.30 बजे से

दबाव में 'कप्तान' अय्यर, जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली जीत की तलाश

एजेंसी ▶▶| हरारे

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार को उतरेगी।

कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है, जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं।

एक बार फिर नजरें सूर्यवंशी पर

भारत ने इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है, जिनकी शख्सियत आक्रामक कोच गौतम गंभीर से एकदम उलट है। ऐसा नहीं है कि गंभीर जीतना नहीं चाहेंगे लेकिन अंतिम एकादश के साथ प्रयोग करने की उनकी आदत गंभीर की तुलना में कम है। एक बार फिर नजरें 'वंडर ब्वॉय' सूर्यवंशी पर होंगी, जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है।

गेंदबाजों का चुनाव भारत की चुनौती

भारत के सामने असली चुनौती हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से एक को चुनने की है। तीनों में से कोई भी शुद्ध हरफनमौला नहीं है। ऐसे में तीनों को भी उतारा जा सकता है। शिवम को सीम और स्विंग गेंदबाजी के सामने बतौर बल्लेबाज परेशानी आई है। लेकिन उन्हें दो टी20 विश्व कप जीतने का अनुभव है। वहीं शेडगे की गेंदबाजी अपेक्षा के अनुरुप नहीं है तो हर्ष अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं।

मैच का समय : शाम 4.30 बजे

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर यादव (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका शिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेसले माधेवेरे, टी. मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , रिचर्ड एनगारवा, न्यूमैन एन, मिल्टन शुम्बा, टी. सिगा।

उतार-चढ़ाव के बाद भी मेरा आत्मविश्वास बरकरार: वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले उनका आत्मविश्वास पूरी तरह कायम है। 15 वर्षीय सूर्यवंशी को भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 दौरे में शामिल किया गया। सूर्यवंशी ने कहा, 'हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। लेकिन मुझे अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखना है और टीम के लिए अपना शत प्रतिशत देना है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कम उम्र में ऐसी निराशाओं से उबरना आसान नहीं होता, लेकिन उन्हें अपने आसपास के लोगों और कोचिंग स्टाफ से पूरा सहयोग मिला, जिससे वह दोबारा अपना ध्यान खेल पर केंद्रित कर सके। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि मुझे जिस भी तरह की मदद या मार्गदर्शन चाहिए, कोच मुझे उपलब्ध करा रहे हैं। जितना अभ्यास मुझे चाहिए, वह भी मिल रहा है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास से भरा हूं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

टॉप-5 में भारत के 3 बल्लेबाज गिल नंबर-1 के बेहद नजदीक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के अलावा दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद जारी नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में शामिल हैं।

गिल दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के बेहद करीब हैं।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की 1-2 की हार के दौरान तीन मैच में 188 रन बनाए और वह शीर्ष पर चल रहे मिचेल (802 अंक) से सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

■ कोहली-रोहित का जलवा कायम

कोहली (767) और रोहित (758) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

आठवें पायदान पर रूट

इंग्लैंड के जो रूट चार स्थान की छलांग के साथ आठवें पायदान पर हैं। टीम के उनके साथी बेन डकेट भी 11 स्थान की लंबी छलांग के साथ संयुक्त 19वें पायदान पर हैं। जैकब बेथेल भी पांच स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर एकदिवसीय रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर हैं।

कुलदीप टॉप टेन से बाहर

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः- 25-सीईई-एसईसीआर-सी-2026
दिनांकः 15.07.2026

कार्यः इलेक्ट्रिक लोको शेड/ बिलासपुर में विद्युत ऊपरी उपस्कर उपकरण के भाग (1) फेज-B के निर्माण/ विस्तार/ अपग्रेडेशन का कार्य. (2) फेज-C में इलेक्ट्रिक लोको के रखरखाव की सुविधाओं के निर्माण/ विस्तार/ अपग्रेडेशन का कार्य । **निविदा मूल्यः 3,22,73,962.43/-** (तीन करोड़ बाईस लाख तिहत्तर हजार नौ सौ बासठ रूपये और तैंतालीस पैसे मात्र), **बयाना राशिः 6,45,500/-** (छह लाख पैंतालीस हजार पाँच सौ रूपये मात्र) । **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः** 06.08.2026 को 15:30 बजे, **निविदा खुलने का समय एवं दिनांकः** 06.08.2026 को 15:45 बजे । **कार्य पूर्णता की अवधिः स्वीकृति** का पत्र जारी होने की तारीख से **12 (बारह)** माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)/मुख्या.
सीपीआर/10/298 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप

तनिष्का और प्राची ने एलिमिनेशन ड्रॉ में बनाई जगह

विश्व मंच पर तनिष्का व प्राची ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| हांगकांग

भारतीय तलवारबाज तनिष्का खत्री और प्राची लोहान इतिहास रचते हुए सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप में 64 खिलाड़ियों के मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला एपी खिलाड़ी बनीं।

9 दिवसीय चैंपियशिप के पहले दिन प्रतिस्पर्धा करते हुए तनिष्का और प्राची ने राउंड रोबिन पूल और शुरुआती एलिमिनेशन दौर की बाधा को पार करते हुए मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ मे जगह बनाई, जो भारतीय तलवारबाजी के लिए अहम उपलब्धि है। ये दोनों अब 25 जुलाई को 64 खिलाड़ियों के एलिमिनेशन ड्रॉ में चुनौती पेश करेंगी, जहां उनका लक्ष्य शीर्ष 32 खिलाड़ियों में जगह बनाना होगा। पुरुष व्यक्तिगत फॉयल स्पर्धा में सचिन 107वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी रहे।

आखिरी वनडे जीता वेस्टइंडीज, सीरीज पर न्यूजीलैंड का कब्जा

ब्रिजटाउन। शिमरोन हेटमायेर के नाबाद 69 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने पांचवें और आखिरी वनडे में न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया। यूजीलैंड ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीत ली है। पहले मैच में वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी, जिसके बाद न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच 5 विकेट से और तीसरा 6 विकेट से जीता। चौथा मैच भी न्यूजीलैंड ने जीता था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 268 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 15 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। हेटमायेर ने शेरफान रदरफोर्ड (61) के साथ 95 रन की साझेदारी की।

एटीपी टूरः बाएज ने केकमनोविच को दी मात, दूसरे दौर में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| किट्जबुहेल

अर्जेंटीना के स्टार टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बाएज ने 'जेनराली ओपन' के पहले दौर में मियोमिर केकमनोविच को मात दी। ऑस्ट्रिया के शहर किट्जबुहेल में जारी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में बाएज ने कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई खिलाड़ी को शिकस्त दूसरे दौर में जगह बनाई।

किट्जबुहेल में एटीपी 250 इवेंट में दो पूर्व चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में, बाएज ने 6-3, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। यह केकमनोविच के साथ उनके चार टूर-लेवल मुकाबलों में पहली जीत थी। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 2023 के चैंपियन बाएज को 13 ब्रेक प्वाइंट्स मिले, जिनमें से वे केवल तीन को ही भुना पाए, लेकिन फिर भी 1 घंटे 49 मिनट के बाद 2020 के चैंपियन केकमनोविच पर जीत हासिल करने में सफल रहे।

युवा हॉकी टीम की ओमान और पाक पर शानदार जीत

मस्कट। भारतीय सब जूनियर लड़कों की टीम ने एफआईएच युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिप में पाकिस्तान और ओमान को हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। केतन कुशवाहा की कप्तानी में भारत ने ओमान को 14- 0 से हराया, जिसमें कप्तान ने चार गोल किए और आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक लगाई। राहुल यादव और शाहरुख अली ने दो-दो , प्रहलाद राजभर, करण गौतम और रोमित पाल ने एक-एक गोल दागा।

गर्ल्स टीम ने उजबेकिस्तान को 16-0 से हराया

भारतीय सब जूनियर लड़कियों ने चीन से 2-2 से ड्रॉ खेला और उजबेकिस्तान को 16-0 से हराया। चीन के लिए चेन गि और जियाशिन गुओ ने गोल किए जबकि भारत के लिए नौशीन नाज ने दो गोल दागे। उजबेकिस्तान के खिलाफ नौशीन नाज ने चार, संदीपा कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर ने तीन तीन, दिया और पुष्पा ने दो-दो जबकि किरण इक्का और नीलम टोप्पो ने एक एक गोल दागे। यह टूर्नामेंट पहले एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप का क्वालीफायर भी है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव जिला-रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./2102/ न.पा.नि./लो.नि.शाखा/2026 बीरगांव, दिनांक 20/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 16 उरकुरा के वार्ड क्रं. 16 में सर्व सुविधायुक्त मल्टी स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य (निविदा राशि रू. 420.49) लाख के लिए System Tender No 195811 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.O.R. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 195811, Bid Start Date 20.07.2026, Bid Due date. 11.08.2026, Physical Submission Last Date 17.08.2026, Open Date 18.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/ प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-06 तोरवा सामुदायिक भवन
फोन नं. 07752-222642, फैक्स नं. 07752-413888
E-mail - zone06bmc@gmail.com Website - www.bmcbilaspur.com

क्रमांक 3444/न.पा.नि./राजस्व-06/2026-27 **स्वामित्व नामांतरण आम – सूचना** बिलासपुर दिनांक 21/07/2026

हक हस्तांतरण एवं कर निर्धारण के खातों में नाम परिवर्तन संबंधी सूचना

कर संपत्तिकर विभाग नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा विज्ञापन सन् 2024-25 हक हस्तांतरण एवं कर निराकरण के खातों में नाम परिवर्तन के संबंध में जोन कार्यालय -06 सामुदायिक भवन तोरवा में आवेदन प्राप्त हुये है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर जोन क्र. 06 सामुदायिक भवन तोरवा नगर निगम कार्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय में आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि समाप्ति के पश्चात आपके द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र.	वार्ड क्र.	प्रकरण क्र. वा. दिनांक	जिनके नाम पर दर्ज है	जिनके नाम पर दर्ज करना है	संलग्न दस्तावेज
1	42	16382/60 01/07/26	शंभुनाथ वर्मा पिता दुख हरण वर्मा	राजेश कुमार वर्मा पिता स्व. शंभु नाथ वर्मा	न्यायालय आदेश मृत्यु प्रमाण पत्र टैक्स की रसीद शपथ पत्र
2	44	16382/61 01/07/26	अभिमन्यु मानिकपुरी पिता अर्जुन दास	लक्ष्मी मोटवानी पिता हरीश कुमार मोटवानी	रजिस्ट्री पेपर, टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
3	44	16382/62 02/07/26	रूपनारायण अग्रवाल पिता राम प्रसाद अग्रवाल	रंजीत कौर पिता गुरमीत सिंह	रजिस्ट्री डायवर्सन टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
4	45	16382/63 03/07/26	टी मोहन कुमार पिता स्व टी चिन्ना राव्	प्रियंका माला सिन्हा पति सुनील कुमार	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद , डायवर्सन
5	41	16382/64 08/07/26	अमर नाथ सिंह पिता रामनरेश सिंह	मिथिलेश कुमार पिता चंदिका चौधारी	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, डायवर्सन
6	43	16382/65 08/07/26	दिलीप सिंह ठाकुर पिता गुमान सिंह ठाकुर	रजित सिंह ठाकुर पिता दिलीप सिंह ठाकुर	रजिस्ट्री डायवर्सन टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
7	45	16382/66 09/07/26	पवन कुमार साहू पिता गंगा राम साहू	शिल्पा साव पति प्रमित कुमार साहा 2 प्रमित कुमार साहा पिता अनिल साहा	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
8	43	16382/67 10/07/26	अनील कुमार पिता रामाशीष यादव	बाबू लाल अंचल पिता राम लाल अंचल	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
9	41	16382/68 13/07/26	पतित पावन मल्ल मार्फत बिना पानी मल्ल भास्कर मल्ल	पूनम सिंह पति संतोष सिंह	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
10	39	16382/69 14/07/26	अभिषेक विधानी पिता परमानंद विधानी	मनोहर वाधवानी पिता स्व. मोती लाल वाधवानी 2 हेमंत वाधवानी पिता स्व मोती लाल वाधवानी	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
11	45	16382/70 15/07/26	जयंत कुमार सिन्हा प्रियंका सिन्हा पिता संतोष कुमार सिन्हा	नबनिता चक्रवर्ती पति पी चक्रवर्ती	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, डायवर्सन, शपथ पत्र
12	41	16382/71 20/07/26	अरुण तिवारी पिता स्व बी एन तिवारी 2 उषा तिवारी पति अरुण तिवारी	आकाश हिरानी पिता राजकुमार हिरानी 2 शुभम हिरानी पिता राजकुमार हिरानी	रजिस्ट्री पेपर बी 1 p2 टैक्स की रसीद, शपथ पत्र
13	41	16382/72 20/07/26	एन लक्ष्मी पति एन वी आर मूर्ती	शिवरानी बाई पति प्रेमशरण दास	रजिस्ट्री टैक्स की रशीद शपथ डायवर्सन

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान — जोन कमिश्नर, जोन क्र.06 तोरवा न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला डायनासोरों का अंत करने वाला उल्कापिंड

वॉशिंगटन। लगभग 6.6 करोड़ साल पहले पृथ्वी पर एक ऐसा भयानक हादसा हुआ था, जिसने दुनिया का इतिहास हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। एक विशालकाय उल्कापिंड हमारी धरती से टकराया और उसने राज कर रहे सभी विशालकाय डायनासोरों सहित पृथ्वी की 75% प्रजातियों को पूरी तरह खत्म कर दिया। वैज्ञानिक सालों से इस बात का पता लगाने में जुटे थे कि आखिर वह उल्कापिंड किस चीज का बना था और अंतरिक्ष के किस कोने से आया था। अब यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया , पेरिस, ब्रुसेल्स और विएना के अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने इस रहस्य से पर्दा उठा दिया है।

6.6 करोड़ साल पुराना सबसे बड़ा रहस्य

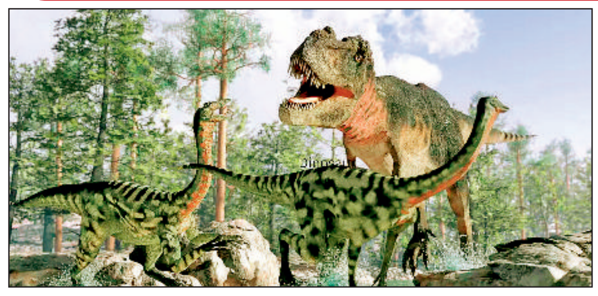

गंधक नहीं, धूल का गुबार बना असली कातिल

अब तक माना जाता था कि उल्कापिंड में मौजूद सल्फर (गंधक) ने गैस बनकर वातावरण को जहरीला बनाया था। लेकिन, इस नई खोज ने उस पुरानी थ्योरी को थोड़ा बदल दिया है। सीओ कॉन्ड्राइट प्रकार के पत्थरों में कार्बन, जिंक, पानी और खास तौर पर सल्फर जैसे तत्व बहुत कम मात्रा में होते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि डायनासोरों के विनाश की मुख्य वजह सल्फर गैस नहीं, बल्कि टक्कर के बाद अंतरिक्ष और हवा में उड़ा अरबों टन बारीक मलबा और धूल थी।

जुपिटर के पास से आई थी काल बनकर तबाही

शोधकर्ताओं का मानना है कि लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा यह विशालकाय उल्कापिंड हमारे सौरमंडल के बाहरी हिस्से से आया था। यह संभवतः बृहस्पति ग्रह के पास मौजूद बाहरी एस्टेरॉयड बेल्ट या मलबे से भरे किसी दूर दराज इलाके से अपनी कक्षा भटककर सीधे पृथ्वी की ओर आ गया था। मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप पर जब यह गिरा, तो इसने 180 किलोमीटर चौड़ा 'चिक्सुलब क्रेटर' बना दिया। इसके प्रभाव से भीषण भूकंप, सूनामी और जंगलों में ऐसी आग लगी जिसने पूरी दुनिया को धुएं से ढक दिया।

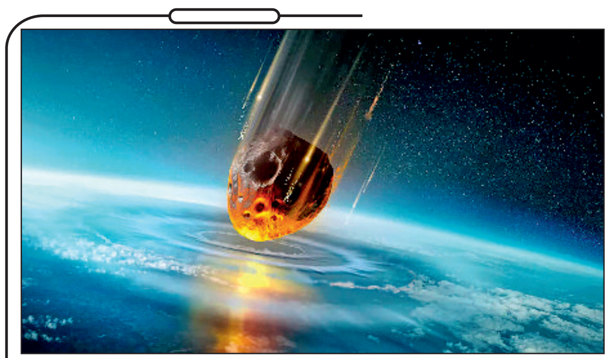

सौरमंडल का बेहद दुर्लभ 'सीओ कॉन्ड्राइट' पत्थर

वैज्ञानिकों ने क्ले (मिट्टी) की एक पतली परत में मौजूद निकल आइसोटोप का अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है। यह परत उसी क्रीटेशियस-पैलियोजीन प्रभाव की गवाह है। रिसर्च में पाया गया है कि धरती से टकराने वाला उल्कापिंड कोई साधारण चट्टान नहीं था, बल्कि वह 'सीओ कॉन्ड्राइट' नाम का एक बेहद दुर्लभ कार्बनिक एस्टेरॉयड था। इस तरह के उल्कापिंड पूरी पृथ्वी पर पाए जाने वाले कुल उल्कापिंडों का केवल 5 प्रतिशत ही हैं। यह सौरमंडल के सबसे पुराने और अछूते पत्थरों में से एक माना जाता है।

रोचक खबरें

यहां मंडप में होता है तालाब का विवाह, पंडित पढ़ते हैं मंत्र, फिर इस पौधे से रचाई जाती है शादी

मधुबनी। मिथिला में जब कोई नया पोखर या इनार खुदवाया जाता है तो उसे 'कुंवारा' माना जाता है। शादी किए बिना उसका पानी पीना-खेती में लगाना मिथिला में अशुभ मानते हैं। मान्यता है कि शादी के बाद ही तालाब 'पवित्र' होकर जल देता है और गांव में सूखा नहीं पड़ता है। दरभंगा, मधुबनी, सहरसा साइड में बड़े जमींदार या मुखिया नया पोखर खुदवाते हैं तो पोखरे का बियाह जरूर होता है। तालाब को दूल्हा, दुल्हन के लिए पीपल, बरगद या केला का पौधा पास में लगाया जाता है। जहां पंडित मंत्र पढ़ते हैं और भोज- भात का आयोजन किया जाता है। मिथिलांचल में पग -पग पोखर की कहावत भी है, यानी कि यहां हर आधा किलोमीटर, 1 किलोमीटर पर कोई ना कोई जलाशय यानी कि तालाब जरूर होता है। तालाब को मैथिली भाषा में पोखर कहते हैं। जब कोई नया तालाब यहां के किसी जमींदार या फिर मुखिया के द्वारा खुदवाया जाता है तो वह सिर्फ उसका नहीं रहता है, बल्कि वह पूरे समाज का होता है। मंदिर के पास या फिर कोई ऐसी जगह पर ही होता है। ताकि सब इसका लाभ ले सके, उससे पहले तालाब का विवाह होता है, जिसे पोखरी विवाह कहते हैं। जिसे शास्त्र में मानें तो 'जल संस्कार' भी कहा जाता है।

केला की पौध को मानते हैं दुल्हन

मधुबनी के पंडित बालकृष्ण झा शास्त्री कहते हैं कि पोखरी विवाह जरूरी इसलिए होता है, क्योंकि जब खुदवाया जाता है तो पोखर तो वह कुंवारा माना जाता है, उसका जल देवताओं को अर्पित नहीं कर सकते हैं, पूजा पाठ में अनुष्ठान में उपयोग नहीं होता है, लेकिन उसका विवाह हो जाता है, बीच में जाठ गाड़ दिया जाता है, तब प्रयोग किया गया यह जल शुद्ध माना जाता है। बता दें कि इसमें केला की पौध को दुल्हन मानते हैं। पोखर को दूल्हा और केला वृक्ष को सजाकर तैयार सोलह सिंगार करके और वहां पास में रखते हैं, फिर दोनों को मंत्र उच्चारण के साथ विवाह होता है। तीन-चार दिनों तक चलता है और फिर पोखर के बीच में लकड़ी का मोटा जाठ डाला जाता है।

भेड़ियों से भेड़ों को बचाएगी लोहे की पोशाक, तोड़ देगा शिकारी का जबड़ा

वियना। पूरी दुनिया में भेड़ पालन करने वाले किसान हमेशा जंगली भेड़ियों और खूंखार शिकारियों के आतंक से परेशान रहते हैं। रात के अंधेरे में शिकारी जानवर अक्सर अचानक हमला कर मासूम भेड़ों को अपना निवाला बना लेते हैं। इस नुकसान से बचने के लिए किसान सदियों से या तो ऊंची बाड़ लगाते आए हैं या फिर खूंखार शिकारी कुत्तों का सहारा लेते हैं। लेकिन, जरा सोचिए, अगर कोई शख्स मध्यकालीन युग के योद्धाओं की तरह इन बेजुबान भेड़ों को ही एक अभेद्य लौह सुरक्षा कवच पहना दे, तो नजारा कैसा होगा! यह सुनने में भले ही काल्पनिक कहानी लगे, लेकिन यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के एक बुजुर्ग किसान और आविष्कारक ने इस अजीब तरकीब को सच में हकीकत बना दिया है। उन्होंने भेड़ियों के दांतों का मुकाबला करने के लिए भेड़ों के लिए एक स्पेशल बॉडी आर्मर तैयार किया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। यह अनोखा मामला दक्षिणी ऑस्ट्रिया के फिलाच शहर के रहने वाले रुडोल्फ शौबाक की है। रुडोल्फ पिछले कई सालों से अपने देश और पड़ोसी देश जर्मनी में भेड़ियों के बढ़ते हमलों और उससे मरती भेड़ों की खबरों से बेहद दुखी थे। उन्होंने ठान लिया कि वे इन बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए कुछ अलग करेंगे। लगातार 3 साल की कड़ी मेहनत, रिसर्च और कई तरह के डिजाइनों को आजमाने के बाद उन्होंने आखिरकार भेड़ों के लिए एक कामयाब प्रोटोटाइप यानी सुरक्षात्मक पोशाक तैयार कर ली। रुडोल्फ ने ऑस्ट्रिया की ऊंची आल्प्स पहाड़ियों पर बने कई फार्मों में भेड़ों को यह अजीबोगरीब कपड़ा पहनाकर इसका बाकायदा टेस्ट भी किया है, जिसके बाद से इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। वे एक ऐसा हल्का और मजबूत कवच बनाना चाहते थे, जिसे पहनकर भेड़ें बिना किसी परेशानी के पहाड़ों पर घूम सकें, दौड़ सकें और घास चर सकें, लेकिन भेड़िए चाहकर भी उन्हें काट न पाएं। इसके लिए उन्होंने एक बेहद हल्के और मजबूत प्लास्टिक के जाल का इस्तेमाल किया।

जिसके ऊपर चारों तरफ नुकीले और तेज कांटे लगाए गए हैं। रुडोल्फ का दावा है कि जब भी कोई भूखा भेड़िया भेड़ पर हमला करने के लिए अपना मुंह खोलेगा, तो ये नुकीले कांटे उसके मसूड़ों और जीभ में इतनी बुरी तरह चुभेंगे कि दर्द के मारे वह तुरंत भेड़ को छोड़ देगा। उन्होंने स्थानीय मीडिया को बताया, 'भेड़िया एक बहुत ही समझदार और चालाक जानवर है, मुझे पूरा यकीन है कि एक बार कांटों का स्वाद चखने के बाद वह दूसरी बार किसी भेड़ को छूने की हिम्मत भी नहीं करेगा।'

हालांकि, रुडोल्फ का यह अनोखा आविष्कार आम जनता और खुद भेड़ पालने वाले किसानों को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। लगभग सभी लोगों ने इस तरकीब को बकवास, अव्यावहारिक और बेअसर बताया है। करीब 1,000 भेड़ें रखने वाले एक बड़े किसान रेने क्रूगर ने चेतावनी देते हुए कहा कि समय के साथ भेड़ के बड़े बाल इस प्लास्टिक के जाल में बुरी तरह उलझ जाएंगे, जिससे उन्हें भयंकर दर्द होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भेड़िए बेवकूफ नहीं होते, अगर उन्हें शरीर पर कांटों का कवच दिखेगा तो वे अपनी रणनीति बदलकर भेड़ के खुले हिस्सों जैसे उसके पैर, मुंह या आंखों पर हमला कर उसे मार डालेंगे। वहीं, कृषि संगठनों का कहना है कि हजारों भेड़ों को इतनी महंगी पोशाक पहनाना किसी भी किसान के बजट में नहीं है। फिलहाल बढ़ते विरोध को देखते हुए रुडोल्फ ने ऑस्ट्रिया में इसका टेस्ट रोक दिया है और वे दुनिया के किसी दूसरे कोने में इस जादुई पोशाक का लाइव टेस्ट की जगह ढूंढ रहे हैं।

भारत का ऐसा शाही महल, जो पत्थरों से नहीं, बल्कि लकड़ी से बना है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जब भी किसी शाही महल की बात होती है तो दिमाग में पत्थरों से बनी विशाल इमारतों की तस्वीर उभरती है। लेकिन भारत में एक ऐसा भी महल है, जिसकी सबसे बड़ी पहचान उसकी लकड़ी से बनी शानदार वास्तुकला है। केरल और तमिलनाडु की सीमा के पास पश्चिमी घाट की खूबसूरत वादियों में स्थित पद्मनाभपुरम पैलेस अपनी अद्भुत बनावट और ऐतिहासिक महत्व के कारण देश ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया में खास पहचान रखता है। लगभग चार शताब्दियों पुराना यह महल कभी त्रावणकोर साम्राज्य की राजधानी का शाही निवास हुआ करता था।

करीब 17वीं शताब्दी में निर्मित इस महल का बाद में त्रावणकोर के शासकों, विशेष रूप से राजा मार्तंड वर्मा ने विस्तार कराया. वर्ष 1795 में राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित होने तक यही महल प्रशासन और शाही गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा। लगभग 6.5 एकड़ में फैला यह विशाल परिसर आज भी अपने मूल स्वरूप में संरक्षित है। यहां पहुंचते ही लकड़ी के लंबे बरामदे, खुले आंगन और पारंपरिक स्थापत्य कला मानो आपको इतिहास के स्वर्णिम दौर में पहुंचा देते हैं।

इस महल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी निर्माण शैली है। इसे मुख्य रूप से उच्च गुणवत्ता वाली लकड़ी, लेटराइट पत्थर और पारंपरिक केरल वास्तुकला की तकनीक 'तच्चूशास्त्र' के आधार पर तैयार किया गया था। महल का चार मंजिला मुख्य भवन उस समय की शाही जीवनशैली के अनुसार बनाया गया था। इसमें राजा के निजी कक्ष, पूजा स्थल, ध्यान कक्ष और खजाना रखने के लिए अलग-अलग हिस्से मौजूद थे।

400 साल बाद भी हर दीवार वैसी की वैसी

बारीक लकड़ी की नक्काशी

महल के भीतर की बारीक लकड़ी की नक्काशी आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहां रखा गया राजा का विशेष पलंग कई औषधीय लकड़ियों से तैयार किया गया था। इसके अलावा दीवारों पर बने 17वीं और 18वीं शताब्दी के भित्ति चित्र उस दौर की संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और शाही जीवन की झलक दिखाते हैं। परिसर में स्थित प्राचीन क्लॉक टावर का पुराना मैकेनिज्म आज भी कार्यरत है।

महल का नहीं किया गया आधुनिकीकरण

यह ऐतिहासिक धरोहर तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में थुक्कलै के पास स्थित है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन नागरकोइल और निकटतम हवाई अड्डा तिरुवनंतपुरम है। सड़क मार्ग से भी यह स्थान आसानी से पहुंचा जा सकता है। अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम यहां घूमने के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है। खास बात यह है कि समय के साथ इस महल का आधुनिकीकरण नहीं किया गया, बल्कि इसकी मूल वास्तुकला और ऐतिहासिक पहचान को पूरी सावधानी से संरक्षित रखा गया है। यही वजह है कि पद्मनाभपुरम पैलेस आज भी भारतीय विरासत और पारंपरिक कारीगरी का एक शानदार उदाहरण माना जाता है।

पैदा होते ही 6 महीने का हो गया ये बच्चा!

6.5 किलो वजन, एक बार में पीता है 2 बोतल दूध; कपड़े भी पड़ गए छोटे

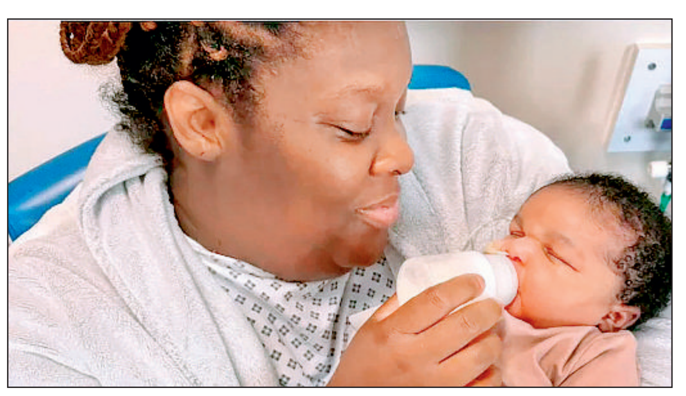

लंदन। ब्रिटेन के मिल्टन कीन्स अस्पताल में एक महिला ने करीब 6.4 किलो वजन के एक अनोखे बच्चे को जन्म दिया है। सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए दुनिया में आया यह बच्चा आम नवजात शिशुओं से बिल्कुल दोगुना बड़ा है। शारीरिक आकार इतना बड़ा होने के कारण बच्चे के लिए खरीदे गए न्यूबॉर्न साइज के सभी कपड़े छोटे पड़ गए और उसे जन्म के पहले ही दिन से सीधे 6 महीने के बच्चों के कपड़े पहनाने पड़े हैं। कपड़ों के साथ-साथ इस बच्चे की खुराक भी हर किसी को हैरान कर रही है, क्योंकि यह नवजात शिशु एक बार में ही दो-दो बोतल दूध गटक जा रहा है। 5 फीट 7 इंच लंबी, 33 साल की मां जेनेली रॉस की यह प्रेग्नेंसी बेहद उतार-चढ़ाव और शारीरिक तकलीफों से भरी थी। गर्भ में पल रहे बच्चे का आकार इतनी तेजी से बढ़ रहा था ।

33 साल की मां, 6 फीट लंबे हैं पिता

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 5 फीट 7 इंच लंबी, 33 साल की मां जेनेली रॉस की यह प्रेग्नेंसी बेहद उतार-चढ़ाव और शारीरिक तकलीफों से भरी थी। गर्भ में पल रहे बच्चे का आकार इतनी तेजी से बढ़ रहा था कि डॉक्टरों को हर 14 दिन पर जेनेली का विशेष अल्ट्रासाउंड और ब्लड शुगर लेवल का टेस्ट करना पड़ रहा था। हालांकि, आधुनिक तकनीकों के बावजूद डॉक्टर कोख में छिपे इस राज को पहले नहीं पकड़ पाए और डिलीवरी के वक्त ही बच्चे के असली वजन का पता चल सका। जेनेली के पति विक्टर ओकनमे की लंबाई 6 फीट है, जिसे देखते हुए विशेषज्ञ इसे जेनेटिक्स का एक दुर्लभ मामला मान रहे हैं। जेनेली के पहले से दो बच्चे और हैं, लेकिन यह नया मेहमान अपने दोनों भाई-बहनों के जन्म के समय के वजन से ठीक दोगुना है।

क्या ये ब्रिटेन का सबसे वजनी बच्चा है?

मेडिकल हिस्ट्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह बच्चा मामूली अंतर से ब्रिटेन के इतिहास का सबसे वजनी बच्चा बनने से चूक गया। देश में सबसे भारी बच्चा होने का रिकॉर्ड साल 1992 में जन्मे गाय कार के नाम दर्ज है, जिसका वजन 15 पाउंड 8 औंस (7 किलोग्राम से अधिक) था। इसके बाद साल 2013 में जॉर्ज किंग (15 पाउंड 7 औंस) और 2021 में अल्फा स्टोन मिशेल (14 पाउंड 15 औंस) का नाम इस लिस्ट में आता है। फिलहाल अस्पताल के डॉक्टरों ने मां और बच्चे दोनों को पूरी तरह से फिट और स्वस्थ घोषित किया है।

70 साल के पिता की खातिर बेटे ने 55 फीट ऊंचे खजूर के पेड़ पर बनवा डाली सीढ़ियां

चेन्नई। ऐसे कई लोग हैं जिन्हें अपनी रोजी-रोटी के लिए रोजाना कई फीट ऊंचे पेड़ों पर चढ़ना पड़ता है। ऐसे में खतरा बना रहता है, लेकिन परिवार और पेट के खातिर लोग हर तरह के जोखिम उठा लेते हैं। एक ऐसी ही कहानी बयां करता दिल छू लेने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जहां एक किसान बेटे ने अपने 70 साल के पिता के लिए कुछ ऐसा काम किया कि, लोग आज बेटे की तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। दरअसल, तमिलनाडु के सलाईपुथुर गांव में एक बेटे ने अपने 70 साल के पिता की परेशानी को दूर करने के लिए खजूर के पेड़ पर ही चारों तरफ सीढ़ियां लगवा दी हैं।

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
कार्डियोलॉजी विभाग
डॉ. बिनोद अग्रवाल MD, DM (Cardiology)
डॉ. मनोज गुप्ता MD, DM (Cardiology)
- फ्लेट पैनल कैथलैब (क्लैरिटी साफ्टवेयर के साथ)
- 24x7 Intesive Cardiac Care Unit
- एन्जियोप्लास्टी, ब्लूनिंग, पेसमेकर, ICD, डिवाइज क्लोजर-ASD, VSD, PDA
- डे-केयर एन्जियोग्राफी
- ECG, Echo, TMT, DSE एवं हॉल्टर मॉनीटरिंग
- कार्डियक हैल्थ चेक-अप पैकेज

आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
परामर्श हेतु - सोमवार से शनिवार, समय : 10.00 से 5.00 बजे तक
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com